CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 281 ता. 19 अप्रेल 2021, सोमवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

केंद्र के सहयोग से महाराष्ट्र में ऑक्सीजन और रेमडेसिविर की कमी दूर हुई - आदित्य ठाकरे

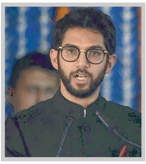

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा है कि अब महाराष्ट्र ऑक्सीजन को लेकर काफी स्टेबल हो गया है, रेमडेसिविर की कालाबाजारी रोकने की कोशिशें जारी हैं। उन्होंने एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में कहा कि केंद्र के साथ सहयोग से ऑक्सीजन और रेमडेसिविर की कमी दूर हुई है। उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर इतनी स्ट्रांग होगी ये सोचा नहीं था, लेकिन तीसरी लहर के बारे में तैयार रहना होगा। बेड्स को लेकर कितना इंतजाम है? इसे लेकर आदित्य ने कहा कि हमने जंबो सेंटर बनाए हैं, जंबो सेंटर महाराष्ट्र में ही सबसे पहले बने इनमें 5 लाख के आसपास महाराष्ट्र में बेड्स बनाए गए हैं। आदित्य ने कहा ÷जिन युवाओं में संक्रमण का डर नहीं, वो लापरवाही बरत रहे हैं। ये सर्दी खांसी जुकाम नहीं है। मैंने ऐसे कई लोगों को देखा है जिन्होंने टेस्ट नहीं करवाया और उनकी मौत हो गई। इसे बिल्कुल भी हल्के में न लें। डॉक्टरों और प्रशासन पर भरोसा करें और सावधानी बरतें।' बहुत सारे मजदूर महाराष्ट्र में अन्य राज्यों से आकर काम करते हैं तो ऐसे लोगों के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है। इस पर आदित्य ने कहा था ' बहुत सारे प्रवासी मजदूर पिछले लॉकडाउन के दौरान लौट गए। इस साल हमने कहीं भी ट्रैवल रोका नहीं है। इस वक्त उतना पैनिक नहीं है, जितना पिछले साल था। पिछले लॉकडाउन से हमने सबक लिया है। अब स्थिति पहले से ठीक है।'

आईजीआई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक विमान को बम से उड़ाने की धमकी से सनसनी फैल गई। एयरपोर्ट के एक शौचालय में एक पर्ची मिली, जिस पर बंगलूरु से दिल्ली आने वाले विमान में बम होने और उसके दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचते ही उड़ाने की बात लिखी गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने छानबीन शुरू की, लेकिन विमान में कोई विस्फोटक नहीं मिला। किसी ने एयरपोर्ट के शौचालय में एक कागज का टूकड़ा पड़ा हुआ देखा, जिस पर लिखा हुआ था कि दोपहर बाद बंगलूरू से दिल्ली आने वाले विमान में बम है। विमान के दिल्ली पहुंचते ही उसमें धमाका कर दिया जाएगा। पुलिस ने एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा एजेंसियों को इसकी जानकारी दे दी। साथ ही बम निरोधक दस्ता को तैनात कर दिया गया। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही विमान को पुलिस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने अपने कब्जे में लिया।

शुभेंदु अधिकारी नंदीग्राम में ममता बनर्जी से चुनाव जीतेंगे - अमित शाह

कोलकाता । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वी बर्द्धमान जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी नंदीग्राम में भाजपा उम्मीदवार से हार जाएंगी और उसके बाद उन्हें यहां से जाना होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में पांच चरणों में जिन 180 सीटों पर मतदान हुआ है उनमें से 122 से अधिक सीटें भाजपा जीतेगी। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल में पांच चरण के चुनाव के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हतोत्साहित हैं क्योंकि भाजपा 122 से अधिक सीटों पर उनसे आगे है।'' शाह ने कहा, ''शुभेंदु अधिकारी (भाजपा उम्मीदवार) नंदीग्राम से चुनाव जीतेंगे।'' गृह मंत्री ने आगे कहा कि बनर्जी को उनके कद के मुताबिक बड़ी हार के साथ विदा किया जाना चाहिए। शाह ने दावा किया कि देश के नागरिकों को प्रदत्त लाभ अवैध प्रवासी ले रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आपके और मेरे जैसे लोग तो दीदी के लिए लिए दोयम दर्जे के नागरिक हैं जो उनके वोट बैंक के लिहाज से कोई मायने नहीं रखते हैं।

रेमडेसिविर की शीशी में पैरासिटामोल बेच रहे चार गिरफ्तार

मुंबई । देश में कोरोना के हालात बद से बदतर हो रहे हैं। रोजाना लाखों मामले सामने आने के बीच कई ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जो स्वास्थ्य महकमे की चिंताएं और बढ़ा रही हैं। कई राज्यों से कोरोना की दवा रेमडेसिविर के खत्म होने और कालाबाजारी की खबरें सामने आईं, जिसके बाद सरकार ने सख्ती दिखाकर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का एलान किया। हाल ही में महाराष्ट्र के बारामती से पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन चारों लोगों पर फर्जी रेमडेसिविर इंजेक्शन बेचने का आरोप है। ये लोग रेमडेसिविर की खाली शीशी में पैरासिटामोल की दवाई भरकर कोरोना मरीजों को बेच रहे थे। ऐसा बताया जा रहा है कि ये गिरोह नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन को 35,000 रुपये में बेच रहा था। पुणे ग्रामीण के डिप्टी एसपी नारायण शिवगावकर ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से तीन इंजेक्शन बरामद किए गए हैं। इन इंजेक्शन पर रेमडेसिविर लिखा था लेकिन इनके अंदर लिक्विड फॉर्म में पैरासिटामोल ही थी। दरअसल, इस गिरोह का पर्दाफाश ऐसे हुआ, बारामती में एक मरीज के रिश्तेदार को रेमडेसिविर इंजेक्शन की तत्काल जरूरत थी, उसे पता चला कि एक निजी अस्पताल में ये दवा मिल रही है। शख्स ने गैंग के एक सदस्य से संपर्क किया, आरोपी ने बताया कि वह एक कोविड केंद्र में काम करता है। जब मरीज के रिश्तेदार ने इंजेक्शन की कीमत पूछी तो उसने एक इंजेक्शन की कीमत 35 हजार रुपये बताई। इसके अलावा पुणे से कोरोना रिपोर्ट के घपलेबाजी की भी खबरें सामने आई हैं। महाराष्ट्र के पुणे में दो लोगों को फर्जी आरटी-पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट जारी करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। राज्य में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों और रिपोर्ट में देरी आने की वजह से आरोपी ने कई लोगों की फर्जी रिपोर्ट जारी की हैं। पुलिस ने जानकारी दी कि इस मामले में आगे की जांच की जा रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर टीकाकरण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का आग्रह किया

कोविड से लड़ने के लिए टीकाकरण महत्वपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर टीकाकरण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का आग्रह किया और यूरोपीय एजेंसियों या यूएसएफडीए द्वारा मंजूर किए गए टीकों को मंजूरी देने सहित सरकार को पांच सुझाव दिए। मनमोहन सिंह ने पत्र में कहा, मेरे पास इस संबंध में कुछ सुझाव हैं। मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि मैं रचनात्मक सहयोग की भावना से आपके विचार के लिए उन्हें आगे रख रहा हूं, जिसमें मैंने हमेशा विश्वास किया है और उन पर अमल किया है। पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने सुझावों में कहा कि सरकार को यह प्रचारित करना चाहिए कि विभिन्न वैक्सीन उत्पादकों को खुराकों के लिए क्या ठोस आदेश हैं और अगले छह महीनों में वितरण के लिए कितने स्वीकार किए जाने हैं और सरकार को यह बताना चाहिए कि पारदर्शी फार्मूले के आधार पर राज्यों में अपेक्षित आपूर्ति का वितरण कैसे किया जाएगा। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार आपात जरूरतों के आधार पर वितरण के लिए 10 प्रतिशत रख सकती है, लेकिन इसके अलावा, राज्यों के पास संभावित उपलब्धता का स्पष्ट संकेत होना चाहिए, ताकि वे अपने हिसाब से वितरण की योजना बना सकें। मनमोहन सिंह ने कहा कि टीकाकरण में राज्यों को अग्रिम पंक्ति के कामगारों की श्रेणियों को परिभाषित करने के लिए कुछ लचीलापन दिया जाना चाहिए, ताकि 45 वर्ष से कम आयु के होने पर भी टीका लगाया जा सके। सरकार द्वारा अपनाई गई नीतियों और मजबूत बौद्धिक संपदा संरक्षण की बदौलत भारत दुनिया में सबसे बड़ा वैक्सीन उत्पादक के रूप में उभरा है। यह क्षमता काफी हद तक निजी क्षेत्र में है। सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के इस क्षण में, भारत सरकार को धन और अन्य रियायतें प्रदान करके अपनी विनिर्माण सुविधाओं का शीघ्रता से विस्तार करने के लिए वैक्सीन उत्पादकों का सक्रिय रूप से समर्थन करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह समय कानून में अनिवार्य लाइसेंसिंग प्रावधानों को लागू करने का है, ताकि कई कंपनियां एक लाइसेंस के तहत टीकों का उत्पादन कर सकें। चूंकि घरेलू आपूर्ति सीमित है, किसी भी टीका है कि यूरोपीय चिकित्सा एजेंसी या यूएसएफडीए जैसे विश्वसनीय अधिकारियों द्वारा उपयोग के लिए मंजूरी दे दी गई है, तब घरेलू ब्रिजिंग परीक्षणों पर जोर दिए बिना आयात करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, हम एक अभूतपूर्व आपातकाल का सामना कर रहे हैं और विशेषज्ञों का मानना है कि यह छूट एक आपात स्थिति में जायज है। यह छूट सीमित अवधि के लिए हो सकती है,

जिसके दौरान भारत में ब्रिजिंग परीक्षण पूरे किए जा सकते हैं। ऐसे टीकों के सभी उपभोक्ताओं को विधिवत आगाह किया जा सकता है कि इन टीकों को विदेशों में संबंधित प्राधिकरण द्वारा दी गई मंजूरी के आधार पर उपयोग के लिए अनुमति दी जा रही है। मनमोहन सिंह ने कहा कि एक साल से अधिक समय से लोग कोविड-19 महामारी से जूझ रहे हैं और इस समय दूसरे उछाल को देख लोगों इस सोच में पड़े हैं कि उनका जीवन कब सामान्य हो पाएगा।

कोविड-19 से जंग में रेलवे ने मदद के लिए बढ़ाए हाथ, दिल्ली को दिये 1200 बिस्तर वाले 75 कोविड कोच

(एजेंसी)।

उत्तर रेलवे ने दिल्ली को 1200 बिस्तर की क्षमता वाले 75 कोविड केयर कोच तत्काल उपलब्ध कराने का फैसला किया है जिनमें से शकूरबस्ती स्टेशन पर 800 बिस्तर की क्षमता वाले 50 कोच आज उपलब्ध कराये जा रहे हैं और 400 बिस्तरों की क्षमता वाले 25 कोच सोमवार को आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध करा दिये जाएंगे। दिल्ली सरकार में मुख्य सचिव विजय कुमार देव ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सुनीत शर्मा को आज एक पत्र लिख करने कोरोना संक्रमण के तेजी से बढ़ते संक्रमण के मद्देनज़र रेलवे से चिकित्सा की पूरी व्यवस्था सहित कोविड कोचों की आपात व्यवस्था करने का अनुरोध किया था। श्री शर्मा ने इस पत्र को त्वरित कार्रवाई के लिए उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल को भेजा था।

16 लोगों के हिसाब से 800 बिस्तर उपलब्ध होंगे

श्री गंगल ने शाम को संवाददाताओं को बताया कि शकूरबस्ती रेलवे स्टेशन पर 50 कोच तैयार हालत में थे जिन्हें दिल्ली सरकार को सौंपने के लिए पत्र भेज दिया गया है। प्रति कोच 16 लोगों के हिसाब से 800 बिस्तर उपलब्ध होंगे। प्रति कोच दो ऑक्सीजन सिलेंडर भी उपलब्ध कराये गये हैं। दिल्ली सरकार चाहे तो अधिक ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध करा सकती है। उन्होंने कहा कि आनंद विहार स्टेशन पर एक प्लेटफॉर्म पर 25 कोच सोमवार को लगा कर उन्हें दिल्ली सरकार को सौंप दिया जाएगा जिसमें 400 बिस्तर की क्षमता होगी।

1200 बिस्तर वाले 75 कोविड कोच

दिल्ली सरकार द्वारा पांच हजार बिस्तर की क्षमता के लिए आग्रह किये जाने के बारे में पूछे जाने पर महाप्रबंधक ने कहा कि फिलहाल 1200 बिस्तरों की क्षमता सहित 75 कोच उपलब्ध कराये जा रहे हैं। उत्तर रेलवे लगातार दिल्ली सरकार के संपर्क में रहेगी और जरूरत महसूस होने पर अधिक कोविड कोच भी उपलब्ध कराये जाएंगे। यदि आवश्यकता महसूस हुई तो आनंद विहार स्टेशन से गाड़ियों के परिचालन को दिल्ली के किसी अन्य स्टेशन पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा अथवा अन्य स्टेशनों पर कोविड कोच भेजे जाएंगे।

कोविड कोच के साथ बुनियादी सुविधाएं भी देगा रेलवे

उन्होंने कहा कि गत वर्ष उत्तर रेलवे ने दिल्ली के नौ स्टेशनों पर आठ हजार बिस्तर की क्षमता वाले कोविड कोच उपलब्ध कराये थे लेकिन जून 2020 से लेकर जनवरी 2021 तक केवल 857 बिस्तरों का उपयोग हुआ था जिनमें से 92 रोगियों को आगे के उपचार के लिए अस्पताल भेजना पड़ा था। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि रेलवे के कोविड केयर कोच दरअसल हलके लक्षणों वाले रोगियों के लिए डिजायन किये गये हैं।

बीजेपी का आरोप- कोरोना के संकटकाल में केजरीवाल सरकार ने खड़े कर दिए हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी ने कोरोना के संकट काल में केजरीवाल सरकार पर फेल होने का आरोप लगाया है। पार्टी की दिल्ली इकाई ने कहा है कि संकट काल में केजरीवाल सरकार ने हाथ खड़े कर दिए हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा है कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के लिये कभी भी पर्याप्त अस्पताल बेड, आक्सीजन या रेमडीसिवर का स्टाक एकत्र करने पर ध्यान नहीं दिया। दरअसल, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को एक वीडियो संदेश में कहा था कि दिल्ली में 25,500 नए कोरोना केस आए है। पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 30 प्रतिशत हो गया है। दिल्ली में बेड्स तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। आईसीयू बेड्स की कमी होती जा रही है ,केवल 100 आईसीयू बेड ही बचे हैं। ऑक्सीजन की कमी हो रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस बयान के बाद भाजपा की दिल्ली इकाई ने निशाना साधा है। दिल्ली ईकाई ने अपने एक बयान में कहा, दिल्ली में हालात खराब हो रहे हैं पर मुख्यमंत्री केजरीवाल ने फिर एक बार अपने हाथ खड़े कर दिए और जनता से मुंह मोड़ लिया। मुख्यमंत्री को जनता से ज्यादा विज्ञापनों में बने रहना प्यारा है। अगर विज्ञापनों की जगह दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में ध्यान लगाया होता तो आज हालात बेहतर होते, सीएम साहब।

केजरीवाल ने अमित शाह से मांगी मदद

पॉजिटिविटी रेट 30 फीसदी, सिर्फ 100 आईसीयू बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजधानी दिल्ली में कोरोना हर रोज रिकॉर्ड तोड़ रहा है। हालात लगातार बदतर होते जा रहे हैं। इसी बीच रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस वार्ता कर वर्तमान स्थिति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 24 घंटे में लगभग 25,500 मामले सामने आए हैं। संक्रमण दर की रफ्तार बढ़कर करीब 30 प्रतिशत पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राजधानी में बेड बढ़ाने की मांग की है। बताया कि अगले कुछ दिनों में राजधानी को छह हजार ऑक्सीजन बेड मिल जाएंगे। प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को साथ खड़े रहने के लिए शुक्रिया कहने के साथ ही ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि अभी कोरोना के मरीजों की संख्या बढने की गति जारी है। ज्यादा चिंता की बात यह है कि पॉजिटिविटी रेट 30 प्रतिशत बढ़ गया है। पिछले 24 घंटे में संक्रमण दर 24 से बढ़कर 30 प्रतिशत हो गया है। कोरोना के लिए जो बेड रिजर्व है वह काफी तेजी से खत्म हो रहे हैं। आईसीयू बेड की दिल्ली में कमी हो गई है। 100 से भी कम आईसीयू बेड खाली हैं। ऑक्सीजन की भी दिल्ली में काफी कमी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक निजी अस्पताल ने शनिवार को बताया था कि उनके पास ऑक्सीजन की कमी है। शनिवार की रात दिल्ली में बड़ी त्रासदी होते-होते बची। केंद्र सरकार से जो मदद मिली है उसका शुक्रिया।

ममता ने पीएम से की मांग, वैक्सीन, मेडिसिन और ऑक्सीजन उपलब्ध करवाएं

कोलकाता (एजेंसी)।

राज्य में कोविड के मामलों में बढ़ोतरी के मद्देनजर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तुरंत हस्तक्षेप करने और टीका, दवा और ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध कराने को कहा है, ताकि टीकाकरण प्रक्रिया को बढ़ाया जा सके और उपचार प्रदान किया जा सके। मुख्यमंत्री ने अपने दो पन्नों के पत्र में उन तीन क्षेत्रों का उल्लेख किया है जहां राज्य केंद्र से सक्रिय सहयोग चाह रहा है। ममता ने कहा, टीकाकरण शीर्ष महत्व का है। विशेष रूप से हमारे राज्य में और विशेष रूप से महानगरीय कोलकाता में जहां जनसंख्या का घनत्व बहुत अधिक है, केंद्रित और आक्रामक टीकाकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्य से हमारे लिए, भारत सरकार की ओर से टीकों की आपूर्ति अनिश्चित है, जो हमारे टीकाकरण कार्यक्रमों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा, जबकि पश्चिम बंगाल टीकाकरण में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वालों में से एक है। हमें लगभग 2.7 करोड़ लोगों का टीकाकरण करना है, और इसके लिए हमें 5.4 खुराक की आवश्यकता है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए एक तत्काल हस्तक्षेप के लिए अनुरोध करते हैं, ताकि राज्य को जल्द से जल्द टीके की खुराक की आवश्यकता पूरी हो जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा, रेमेडिसवीर और टोलिजुमेब (एक्टेमेरा) जैसी आवश्यक दवाओं की आपूर्ति आज बेहद दुर्लभ और अनिश्चित है, जो यहां के डॉक्टरों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने प्रधानमंत्री से ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने का भी अनुरोध किया।

गृहमंत्री अमित शाह बोले

अभी नहीं लगेगा देश में लॉकडाउन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना की दूसरी लहर पूरी तरह से बेलगाम हो चुकी है। वायरस ने पूरे देश में तबाही मचा रखी है। हर रोज कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। बीते 24 घंटे में 2.60 लाख से अधिक कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। देश के 12 राज्यों की स्थिति बेहद खराब है। महाराष्ट्र सबसे ज्यादा प्रभावित वाला राज्य है। राज्य में एक दिन में 60 हजार से ज्यादा नए केस आए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है यहां भी 27 हजार नए मामले सामने आए हैं। दिल्ली भी 19 हजार के आंकड़े को पार कर गई है। बिगड़ती स्थिति को देखते हुए कई राज्यों में साप्ताहिक और आंशिक लॉकडाउन लागू है। उत्तर प्रदेश में तो रविवार को पूर्ण बंदी है। कोरोना की भयावह स्थिति को देखते लग रहा है कि भारत एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने साफ कर दिया है कि फिलहाल ऐसी स्थिति नहीं दिख रही है। देश में जल्दबाजी में लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा।

केंद्र राज्यों के साथ लगातार संपर्क में है

जब गृहमंत्री अमित शाह से सवाल पूछा गया कि पिछले साल की तरह कोरोना को काबू में करने के लिए लॉकडाउन लगाया जाएगा। जिसपर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि लॉकडाउन करना अभी जल्दीबाजी होगी। उन्होंने कहा कि पिछले साल के लॉकडाउन का मकसद अलग था, उस वक्त देश के पास दवा या टीके नहीं थे। लेकिन अब स्थिति अलग है। हम राज्यों के साथ लगातार संपर्क में हैं। राज्यों की जो सहमति होगी हम उनके साथ रहेंगे।

कोरोना के नए म्यूटेंट चिंताजनक

साक्षात्कार में गृहमंत्री से पूछा गया कि कोरोना के नए म्यूटेंट को आप कितना खतरनाक मानते हैं। जिसपर गृहमंत्री शाह ने कहा कि हर कोई चिंतित है। मुझे भी इसकी चिंता है। लेकिन हमारे वैज्ञानिक

इससे लडने के लिए दिन रात अध्ययन कर रहे हैं। मुझे भरोसा है कि हम जीतेंगे।

CMYK

CMYK

वैक्सीन प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए पूरी क्षमता से काम करें

ऑक्सीजन प्लांट तेजी से लगाएंः मोदी

नई दिल्ली ।

देश में कोरोना से बिगड़ रहे हालात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार रात अहम बैठक बुलाई। इसमें अलग-अलग मंत्रालयों के बड़े अफसर शामिल हुए। मोदी ने कहा कि देश ने जिस तरह पिछले साल कोरोना को हराया था, इस साल भी हम बीमारी को हराएंगे। उन्होंने कहा कि लोगों की जरूरतों को देखते हुए स्थानीय प्रशासन को और ज्यादा एक्टिव और सेंसेटिव होना होगा, ताकि महामारी पर काबू पाया जा सके। प्रधानमंत्री ने रेमडेसिविर इंजेक्शन और दूसरी जरूरी दवाइयों की उपलब्धता की समीक्षा भी की। मीटिंग में मोदी ने पहले से मंजूरी दिए जा चुके ऑक्सीजन प्लांट लगाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वैक्सीन बनाने में तेजी लाने के लिए देश में उपलब्ध क्षमता का पूरा इस्तेमाल किया जाना चाहिए। टेस्टिंग, ट्रैकिंग और ट्रीटमेंट का कोई विकल्प नहीं मीटिंग में मोदी ने कहा कि कोरोना मरीजों की टेस्टिंग, ट्रैकिंग और ट्रीटमेंट का कोई विकल्प नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने अस्पतालों में कोरोना मरीजों को बेड उपलब्ध कराने के लिए तमाम जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कोरोना के गंभीर मरीजों के लिए वेंटिलेटर की उपलब्धता पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री की इस बैठक में कैबिनेट सचिव, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव, गृह सचिव, स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव, फार्मा सेक्रेटरी और नीति आयोग के डॉ. वीके पॉल मौजूद थे। कोरोना की दूसरी लहर में देशभर से ऑक्सीजन की कमी, रेमडेसिविर इंजेक्शन की किल्लत और अस्पतालों में बेड कम पडने की शिकायतें आ रही हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने रेमडेसिविर और ऑक्सीजन को लेकर कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन उनका

जमीनी असर फिलहाल नजर नहीं आ रहा है।

अशोक गहलोत ने आरटी-पीसीआर जांच की दर घटाकर 350 रूपये करने के निर्देश दिए

जयपुर ।

राजस्थान में निजी प्रयोगशालाओ और अस्पतालों में कोरोना के लिए आरटी-पीसीआर जांच की दर घटाकर 350 रूपये कर दी गयी है जो देश में सबसे कम होगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उक्त निर्देश देते हुए शनिवार शाम को राज्य में कोरोना संक्रमण की स्थिति की समीक्षा करते हुए राज्य के सभी जिलों में ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए मानचित्र पर रूटचार्ट बनाने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर सभी जगहों पर जल्द से जल्द मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग तथा जिला प्रशासन हर जिले में कोरोना प्रबंधन के लिए अधिकाधिक संसाधन जुटाएं। किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं रहे। हमारे लिए हर व्यक्ति की जान कीमती है। गहलोत ने कुछ स्थानों पर आरटी-पीसीआर जांचों की रिपोर्ट में हो रही देरी को गंभीरता से लिया। उन्होंने इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को वस्तुस्थिति से अवगत कराने तथा अनियमितता करने वाली प्रयोगशालाओं एवं कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महामारी के समय में इस तरह की लापरवाही से न केवल संक्रमण बढ़ता है बल्कि यह स्थिति किसी के लिए जानलेवा भी साबित हो सकती है। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा विशेषज्ञों और अधिकारियों के साथ विभिन्न जिलों में कोविड मरीजों के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शन तथा मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता पर विस्तार से चर्चा की। चिकित्सकों द्वारा इन जीवन रक्षक दवाओं का तार्किक और आवश्यकता के अनुरूप उपयोग सुनिश्चित करने के लिए रेमडेसिविर और ऑक्सीजन सिलेंडर के विशेष प्रोटोकाल जारी करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जिला अस्पतालों तथा अन्य अस्पतालों के चिकित्सक एसएमएस सहित विभिन्न मेडिकल कालेजों के विशेषज्ञों के साथ चर्चा कर सकते हैं, जिससे किसी भी जरूरी संसाधन का व्यर्थ उपभोग नहीं हो। गहलोत ने जिला अस्पतालों एवं मेडिकल कालेजों पर बिना लक्षण वाले तथा कम गंभीर कोरोना मरीजों का दबाव घटाने के लिए कोविड केयर सेंटर तथा संस्थागत पृथकवास सुविधाएं स्थापित करने के निर्देश दिए।

सोनिया का आरोप-सुझाव देने पर विपक्ष का मजाक उड़ाते हैं मंत्री

नई दिल्ली ।

कोरोना महामारी के कारण देशभर में बिगड़ती स्थितियों पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। मीटिंग में पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। सोनिया ने कहा कि संक्रमण की पहली वेव के बाद केंद्र सरकार को आज एक साल का पूरा समय मिला, लेकिन सरकार ने मेडिकल सुविधाओं को ठीक करने के बजाए सिर्फ राजनीति की। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गैर भाजपाई राज्यों के साथ भेदभाव का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों और कांग्रेस के सहयोगी मुख्यमंत्रियों ने कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके विभागीय मंत्रियों को पत्र लिख कर आवश्यक सामानों की मांग की है, लेकिन केंद्र सरकार ने चुप्पी साध रखी है। कई राज्यों में वैक्सीन नहीं है, वेंटिलेटर नहीं है, ऑक्सीजन नहीं है। ये भी देखने में आया है कि कुछ राज्यों को प्राथमिकता के आधार पर ट्रीट किया जा रहा है। यह भेदभाव अच्छा नहीं है। सोनिया ने कहा कि देश में कोरोना का पहला केस पिछले साल 30 जनवरी को आया था, उसके बाद सरकार के पास एक साल का समय था, लेकिन सरकार ने व्यवस्थाएं ठीक नहीं कीं। विपक्ष के सुझाव पर उनके मंत्री उल्टा हमला बोलते हैं।

हर हाल में पूरी हो ऑक्सीजन सिलेंडर की सप्लाई

जयपुर ।

राजस्थान के स्वास्थ्य विभाग ने सभी डिवीजनल कमीश्नर और कलेक्टरों को खास निर्देश दिया है। राज्य में कोविड मामलों में उछाल के मद्देनजर सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन सिलेंडर की पर्याप्त सप्लाई पहुंचाई जाए। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को राज्य में 7,359 लोग कोविड पॉजिटिव पाए, जो अब तक आए के सबसे अधिक दैनिक मामले हैं। जैसे-जैसे अस्पताल में मरीज बढ़ रहे हैं, ऑक्सीजन की जरूरत भी बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में, सरकार ने सभी कलेक्टरों को आदेश दिया है कि वे 300 से अधिक डी-टाइप (46.7 लीटर) मेडिकल ऑक्सीजन से भरे सिलेंडर का बफर स्टॉक रखें। बिजली कंपनियों को 24 घंटे ऑक्सीजन के निर्बाध उत्पादन के लिए प्लांट को तीन चरण की आपूर्ति प्रदान करने के लिए कहा है। स्वास्थ्य सचिव सिद्धार्थ महाजन ने सभी 7 मंडल आयुक्तों के साथ वीडियोकांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। उन्होंने कहा कि ÷अब तक राज्य में ऑक्सीजन सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। हमने सभी मंडल आयुक्तों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि अस्पतालों में भर्ती सभी रोगियों को ऑक्सीजन की कमी का सामना न करना पड़े और वे इसे आवश्यकतानुसार प्राप्त करें।

बेड होने पर कोरोना मरीजों को लौटाया तो अस्पतालों पर होगी कार्रवाई : सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली ।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ने कहा कि गलत सूचना देने वाले या बिस्तर उपलब्ध होने के बावजूद कोविड-19 मरीजों को भर्ती से मना करने वाले अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सीएम केजरीवाल ने लगातार यह शिकायतें मिल रही है कि अस्पताल दिल्ली कोरोना ऐप पर बताते है कि 40 बेड खाली है मगर जब मरीज पहुंचता है तो उसे बेड खाली नहीं होने की बात कहकर लौटा दिया जाता है। उपमुख्यमंत्री और दिल्ली सरकार में कोविड-19 के लिये नोडल मंत्री सिसोदिया ने भी इसे गंभीर मामला बताया है। उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज का उपचार करने से इनकार नहीं किया जाना चाहिए। बेड होने के बाद अगर कोई ऐसा करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। कोविड प्रबंधन की समीक्षा बैठक के बाद सिसोदिया ने ट्वीट करके कहा कि बिस्तर उपलब्ध होने के बावजूद कुछ अस्पताल मरीजों को लौटा रहे या बिस्तरों के बारे में गलत जानकारी दे रहे अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार कोविड-19 मरीजों के लिये बिस्तर की उपलब्धता बढ़ा रही है। दिल्ली सरकार ने शहर में बढ़ती महामारी के मद्देनजर निजी अस्पतालों में नौकरशाहों की तैनाती की है। 10 आईएएस अधिकारी पहले ही दिल्ली सरकार के विभिन्न कोविड अस्पतालों में नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिये गये हैं। स्वास्थ्य विभाग ने एक बयान में कहा करीब 15 दानिक्स अधिकारियों को प्रबंधन एवं सभी कोविड उपायों के अनुपालन के निरीक्षण के लिए दिल्ली भर में अस्पतालों में तैनात किया है। सरकार ने 24 अन्य अधिकारियों को नोडल आईएएस अधिकारियों की सहायता के लिए सरकारी अस्पतालों में तैनात किया है। आईएएस अधिकारियों की तैनाती पर सिसोदिया ने कहा कि अस्पतालों में बेहतर प्रबंधन के लिए ऐसा किय है।

पाकिस्तान और चीन को जानकारी देने वाला शख्स गिरफ्तार

नई दिल्ली।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने खुफिया इनपुट मिलने के बाद देश की सुरक्षा से जुड़ी जानकारी पाकिस्तान और चीन को पहुंचाने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी शख्स की 35 साल के हरपाल सिंह मूलरूप से पंजाब के तरणतारण का रहने वाला है। हरपाल सिंह पाकिस्तानी और चीनी खुफिया एजेंसियों को सेना के बेस कैम्प, उनके मूवमेंट, आर्मी और बीएसएफ पोस्ट व बंकरों समेत अन्य खुफिया जानकारी मोटी रकम लेकर मुहैया करता था। पुलिस के अधिकारी ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी हरपाल सिंह को पाकिस्तान से हवाला के जरिए देश की खुफिया जानकारी देने के बदले काफी मोटी रकम दी जाती थी। पुलिस ने आरोपी के पास से सेना की जानकारी से जुड़े गोपनीय दस्तावेज, एक मोबाइल फोन, सिमकार्ड और बस की यात्रा के दो टिकट बरामद किए हैं। आरोपी के मोबाइल को खंगालने पर पता चला कि पाकिस्तान के लाहौर में मौजूद उसका आका है, जिसका नाम जसपाल है।

आरोपी जसपाल से सोशल मीडिया के जरिए सम्पर्क करता था। जांच में पता चला कि जसपाल ने हरपाल से सोशल मीडिया के जरिए शुरु में सम्पर्क किया था और उसे कई तरह से ब्रेन वॉश कर खुफिया जानकारी देने के बदले मोटी रकम देने का लालच देकर अपने पाले में कर लिया। पुलिस अधिकारी का कहना है कि पिछले कुछ दिनों को स्पेशल सेल को एक गुप्त सूचना मिली रही थी, जिसमें पता चला कि कुछ शातिर देश की खुफिया जानकारी पड़ोसी देश की खुफिया एजेंसियों को दे रहे हैं। जानकारी जुटाने पर पता चला कि उक्त हरपाल सिंह है, जो हवाला के जरिए मोटी रकम लेकर देश की आर्मी और अन्य खुफिया जानकारी पाकिस्तान पहुंचा रहा है। आरोपी भारत-पाक बॉर्डर के पास एक फर्म में मशीन ऑपरेटर का काम करता था और उसके संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों से है। टेक्नीकल जानकारी जुटाने पर पता चला कि आरोपी हरपाल हवाला के जरिए वहां से मोटी रकम ले रहा है। जानकारी जुटाने के बाद पुलिस की टीम ने छानबीन शुरू की। स्पेशल सेल की टीम ने पुणे की मिलिट्री इंटेलिजेंस के साथ जांच आगे बढ़ाई तो पता चला कि आरोपी सेना और बीएसएफ के मूवमेंट, बंकर, बेस की काफी जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचा रहा है। जिसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी को ट्रेस किया और उसे दिल्ली में ट्रैप लगाकर दबोच लिया।

नेताओं और अफसरों की पैरवी से चिकित्सक तंग, स्वास्थ्य मंत्री से मांगी मदद

नई दिल्ली।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण ने दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था का क्या हाल कर दिया है इससे कोई अनजान नहीं है। सभी अस्पतालों में बेड अपनी क्षमता से अधिक भर चुके हैं। मरीजों को ऑक्सीजन नहीं मिल पा रहा है। वहीं, अस्पताल में केवल भर्ती होने के लिए भी लोगों को लंबी लाइन में लगना पड़ रहा है। डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन लगातार इस परिस्थिति से निपटने में जुटे हुए हैं लेकिन नेताओं और अधिकारियों की पैरवी ने उनकी परेशानियों को बढ़ा दिया है। परिचित मरीजों को भर्ती करने के लिए की जाने वाली सिफारिशों से तंग आकर डॉक्टरों ने अब दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को खत लिखकर इसमें हस्तक्षेप करने की मांग की है। डॉक्टरों ने पत्र में लिखा है कि

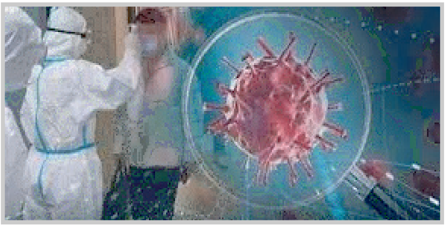

सरकारी अधिकारी, नेता व जनप्रतिनिधि अपने मरीजों का, पहले इलाज कराने के लिए अनावश्यक हस्तक्षेप करते हैं। छोटी-छोटी बीमारियों के लिए घर तक या अस्पताल आ जाते हैं। अस्पताल में कुछ अप्रिय घटना हो जाए तो उसके लिए फिर डॉक्टरों पर आरोप लगाया जाता है। डॉक्टरों ने कहा है कि इस तरह के हस्तक्षेप से अस्पतालों की हालत और बिगड़ जाती है।

एमपी की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने लिखा कि इसी तरह एक सांसद के तंग करने पर एक डॉक्टर ने इस्तीफा दे दिया।उन्होंने लिखा कि हमारे पास इस महामारी से निपटने के लिए कम संसाधन है। ऐसे में हम हर मरीज की जान बचाने का प्रयास करते हैं। लेकिन किसी की सिफारिश के कारण दूसरे मरीजों के साथ नाइंसाफी करनी पड़ती है। फेडरेशन ने स्वास्थ्य मंत्री से अपील की है कि वे अधिकारीयों और जनप्रतिनिधियों को निर्देश दें कि वे डॉक्टरों के काम में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें।

देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बड़ा फैसला लिया

राहुल गांधी ने कोरोना के चलते रद्द की बंगाल में अपनी सभी चुनावी रैलियां

कोलकाता।

देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बड़ा फैसला किया है। पश्चिम बंगाल में बचे हुए बाकी चरणों के चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक भी चुनावी रैलियां नहीं करेंगे। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में होने वाली अपनी सभी रैलियों को रद्द कर दिया है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से इस पर विचार करने की सलाह दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने ट्वीट कर दी है। राहुल गांधी ने पहले अंग्रेजी में ट्वीट करते हुए कहा, 'कोविड की स्थिति को देखते हुए मैं पश्चिम बंगाल में अपनी सभी सार्वजनिक रैलियों को स्थगित कर रहा हूं। मैं सभी राजनीतिक नेताओं को सलाह दूंगा कि मौजूदा परिस्थितियों में बड़ी सार्वजनिक रैलियों के आयोजन के परिणामों पर गहराई से विचार करें। वहीं उन्होंने हिन्दी में ट्वीट करते हुए लिखा- टकोविड संकट को देखते हुए, मैंने पश्चिम बंगाल की अपनी सभी रैलियां रद्द करने का निर्णय लिया है। राजनैतिक दलों को सोचना चाहिए कि ऐसे समय में इन रैलियों से जनता व देश को कितना ख़तरा है। दरअसल, देश में कोरोना वायरस का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। हर दिन अब रोजाना दो लाख से अधिक मामले आ रहे हैं, ऐसे में बंगाल में चुनावी रैलियों में उमड़ने वाली भीड़ को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें की जा रही हैं। सोशल मीडिया पर भाजपा के चुनावी रैलियों को लेकर भी निशाना साधा जा रहा है और लोग इसे बैन करने की मांग कर रहे हैं। बंगाल में चुनावी रैलियों और रोड शो में बड़ी भीड़ देखने को मिल रही है और कोरोना भी हर दिन बड़ा छलांग लगाता जा रहा है। राहुल गांधी ने रविवार को ही एक ट्वीट के जरिए पीएम मोदी पर निशाना साधा, जिसमें बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उनकी रैली में इतनी भीड़ है कि जहां तक उनकी नजर जा रही है, लोग ही लोग दिख रहे हैं। पीएम मोदी के भाषण का यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल है और इसी संदर्भ में राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा- बीमारों और मृतकों की भी इतनी भीड़ पहली बार देखी है। मालूम हो कि पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 30 मई को समाप्त हो रहा है। 17वें विधानसभा चुनाव के लिए 7,34,07,832 वोटर्स उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला 27 मार्च से जारी है। पश्चिम बंगाल में कुल आठ चरणों में चुनाव होंगे। अब तक पांच चरणों के लिए वोटिंग हो चुकी है और छठे चरण में 43 सीटों पर 22 अप्रैल को, सातवें चरण में 36 सीटों पर 26 अप्रैल को और आठवें और अंतिम चरण में 35 सीटों पर 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, पांच राज्यों में एक साथ 2 मई को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

रेमडेसिविर की कालाबाजारी पर महाराष्ट्र पुलिस ने ब्रुक फार्मा पर छापा मारा, फडणवीस भड़के

मुंबई। कोरोना मरीजों के इलाज में उपयोगी रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी पर महाराष्ट्र में शनिवार रात करीब 12 बजे पुलिस ने ब्रुक फार्मा के डायरेक्टर राजेश डोकानिया को हिरासत में ले लिया, इस बात से पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भड़क गए। फडणवीस और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष प्रवीण दरेकर अपने कुछ समर्थकों के साथ रात में विले पार्ले पुलिस स्टेशन पहुंच गए। यहां से उन्हें पता चला कि डोकानिया को पूछताछ के लिए डीसीपी मंजुनाथ शिंगे के ऑफिस में ले जाया गया है। दोनों नेता वहां पहुंचे और पुलिस अफसरों से जमकर इनकी बहस हुई। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने इस मामले में 4.75 करोड़ की रेमडेसिविर को सीज भी किया है, लेकिन अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की गई है। सोशल एक्टिविस्ट साकेत गोखले ने सोशल मीडिया में इस बात को लिखा है। करीब एक घंटे तक पुलिस स्टेशन में रहने के बाद बाहर निकले फडणवीस ने कहा, महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी सरकार ने अचानक रात 9 बजे ब्रुक फार्मा के एक अधिकारी को हिरासत में ले लिया, यह बहुत ही शर्मनाक घटना है।

फडणवीस का आरोप- महाराष्ट्र सरकार गंदी राजनीति कर रही

फडवणीस ने कहा, इस घटना की सूचना मिलने पर हमने स्थानीय पुलिस स्टेशन और पुलिस उपायुक्त कार्यालय जाकर ब्रुक फार्मा का अपराध क्या है जानने की कोशिश की है।

पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के चकदाह में भाजपा कार्यकर्ता की हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के चकदाह में रविवार तड़के भाजपा का एक कार्यकर्ता घायल अवस्था में मिला। पुलिस ने बताया कि दिलीप कीर्तनिया (31) का शव मिलने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग 24 जाम कर प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के बदमाशों ने कीर्तनिया की हत्या की। पुलिस ने इस मामले में दर्ज शिकायत के हवाले से कहा कि कीर्तनिया के परिवार ने आरोप लगाया कि वह शौच के लिए रात में बाहर गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''जब वह बहुत देर तक नहीं लौटा , तो उसकी तलाश शुरू की गई और वह अपने आवास से कुछ मीटर दूर घायल अवस्था में मिला, से चकदाह के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके निजी अंगों में कई चोटें लगी थीं।

कपिल सिब्बल ने प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने की अपील की

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने की अपील की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कोविड-19 के तेजी से बढ़ते मामलों के मद्देनजर निर्वाचन आयोग से भी अपील की कि वह चुनावी रैलियों पर रोक लगाए। सिब्बल ने ट्वीट किया, ''लोगों के स्वस्थ होने की तुलना में कोविड-19 संक्रमण अधिक तेजी से फैल रहा है। मोदी जीः राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कीजिए। निर्वाचन आयोगः चुनावी रैलियों पर रोक की घोषणा करे। अदालतः लोगों के जीवन की रक्षा करें।'' ज्ञात रहे कि भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,61,500 नए मामले सामने आने के साथ कोविड-19 के कुल मामले बढ़कर 1,47,88,109 पर पहुंच गए हैं।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक उपचाराधीन मामले 18 लाख के पार पहुंच गए हैं। मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक 1,501 संक्रमितों की मौत होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,77,150 पर पहुंच गई है।

बदरीनाथ हाईवे पर दर्दनाक हादसा, पांच लोगों की मौत

चमोली। चमोली में बदरीनाथ हाईवे पर पाखी गांव के समीप एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। घटना शनिवार को देर रात की बताई जा रही है। मसूरी से हंसी खुशी लौट रहे थे कार सवार दशोली ब्लॉक के भीमतला गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद वापस जोशीमठ लौट रहे थे। रविवार को सुबह घटना की जानकारी मिलते ही जोशीमठ और पीपलकोटी से पुलिस व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। खाई से शवों को निकालने के लिए रेस्क्यू किया। दुर्घटना के कारणों का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। भीमतला गांव के विनोद नैथवाल ने बताया कि शनिवार को सुबह जोशीमठ से भीमतला गांव में बरात पहुंची। दिनभर शादी समारोह के बाद बरात शाम को करीब सात बजे जोशीमठ के लिए लौटी। बरात के सभी वाहन तो जोशीमठ पहुंच गए, लेकिन यह कार नहीं पहुंची। जिसे लोग रातभर ढूंढने में लगे रहे। पुलिस को भी रात को ही सूचना दी गई। रविवार को सुबह घटना स्थल का पता चल पाया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना वाले स्थान पर एनएच का पुल बन रहा है। दोनों तरफ से सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं हैं। जिससे यहां दुर्घटना की हर समय आशंका बनी हुई है।

यात्रा की तारीख या समय में बदलाव पर स्पाइसजेट नहीं लेगा चार्ज

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने यात्रियों से यात्रा से 5 दिन पहले तक टिकट की तारीख या समय में बदलाव करने पर कोई एक्सट्रा चार्ज (चेंज फीस) नहीं लेने का फैसला किया है। पहले यह छूट कम से कम 7 दिन पहले कराए गए बदलाव पर थी। स्पाइसजेट ने कहा है कि 17 अप्रैल से 15 मई के बीच डोमेस्टिक फ्लाइट की यात्रा के लिए 17 अप्रैल से 10 मई के बीच टिकट बुक कराने वाले यात्री एक बार चेंज फीस में छूट ले सकेंगे। कोरोना के कारण कई राज्यों में लगाए गए लॉकडाउन की वजह से कंपनियो ने ये फैसला किया है। इससे पहले इंडिगो ने डोमेस्टिक फ्लाइट के टिकटों पर समय या तारीख बदलने के लिए कोई शुल्क नहीं लेने का फैसला किया था। कंपनी 17 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2021 तक नई बुकिंग पर चेंज फीस नहीं लेगी। कोरोना की रोकथाम को लेकर अब नागर विमानन महानिदेशालय भी सख्त हो गया है। महानिदेशालय ने चेतावनी जारी की है कि अगर एयरपोर्ट पर कोरोना के नियमों का उल्लंघन करते पकड़े गए तो जुर्माना लगाया जा सकता है।

CMYK

चीन ने भारत को फिर दिखाई आंख, लद्दाख के हॉट स्प्रिंग और गोगरा से हटने से किया इंकार

बीजिंग:

चीन और भारत के बीच पूर्वी लद्दाख में जारी सैन्य गतिरोध के लगभग एक साल हो गए हैं लेकिन अभी विवाद बना हुआ है। दुनिया के सामने भारत के साथ संबंध सुधरने का दिखावा करने वाले चालबाज चीन ने एक बार फिर अपना असली चेहरा दखा दिया है। दोनों देशों के बीच अब तक 11 दौर की बातचीत हो चुकी है, इस बीच ताजा बातचीत में चीन ने लद्दाख के हाट स्प्रिंग और गोगरा इलाके से अपनी सेना को पीछे हटाने से इनकार कर दिया है। यही नहीं चीन ने भारत को चेतावनी देते हुए कहा है कि पैंगोंग इलाके में पीछे हटना भारत के लिए काफी है और उसमें उसे खुश रहना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 9 अप्रैल को हुई कोर कमांडर स्तर की ताजा बातचीत में चीन ने हाट स्प्रिंग, देपसांग मैदान और गोगरा पोस्ट से अपने सैनिकों को हटाने से मना कर दिया है। इससे पहले फरवरी महीने में भारत और चीन की सेनाएं पैंगोंग झील और कैलाश रेंज से पीछे हट गई थीं और अन्य विवादित स्थलों को लेकर बातचीत करने पर सहमति बनी थी। भारतीय सूत्रों के मुताबिक चीन ने पहले हाट स्प्रिंग के पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 और पीपी-17ए और गोगरा पोस्ट से पीछे हटने पर सहमति जताई थी लेकिन अब वह अपनी बात से मुकर गया है। चीन ने कहा है कि भारत को उससे खुश होना चाहिए जो उसने हासिल किया है। सूत्रों के मुताबिक कि पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 और पीपी-17ए पर चीनी सेना की ओर से प्लाटून स्तर की सैन्य तैनाती की गई है जो पहले कंपनी के स्तर की थी। भारतीय सेना के प्लाटून में 30 से 32 जवान होते हैं। वहीं सेना की एक कंपनी में 100 से 120 जवान होते हैं। इस इलाके में आने जाने के लिए रोड की जरूरत नहीं है। वे बहुत जल्द ही आ जाते हैं और इस समय में वे भारतीय क्षेत्र में काफी अंदर तक घुसे हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक कि पिछले दो से तीन साल में भारत कभी भी पैंगोंग झील के फिंगर 8 तक नहीं पहुंच सका है। देपसांग में भारतीय सेना अपने परंपरागत गश्त वाले इलाके तक वर्ष 2013 से अब तक नहीं पहुंच सकी है क्योंकि चीनी सैनिक भारतीय सैनिकों को गश्त करने से लगातार रोक रहे हैं।

म्यांमार: सैन्य सरकार ने तख्तापलट प्रदर्शनों के बीच 23,000 से अधिक कैदी किए रिहा

यांगून।

म्यांमार की सैन्य सरकार ने पारंपरिक नव वर्ष के अवसर पर शनिवार को 23,000 से अधिक कैदियों को रिहा कर दिया, जिसमें तीन राजनीतिक कैदी भी शामिल हैं। वहीं फरवरी में हुए तख्तापलट के मुख्य सूत्रधार सैन्य नेता ने बताया कि वह इस माह के अंत में क्षेत्रीय सम्मेलन में शिरकत करेंगे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि रिहा किए गए लोगों में तख्तापलट का विरोध करने के लिए गिरफ्तार किए गए लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता शामिल हैं कि नहीं। सरकारी प्रसारक एमआरटीवी ने कहा कि जुंटा प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन ऑग हेलांग ने 23,047 कैदियों को रिहा किया है, जिनमें 137 विदेशी शामिल हैं और इन्हें म्यांमा से बाहर भेजा जाएगा। उन्होंने अन्य लोगों की सजा की अवधि भी कम की है। देश की बागडोर निर्वाचित सरकार को वापस सौंपने की मांग करने वाले प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षाबलों की कार्रवाई जारी है। सोशल मीडिया में ऐसी खबरे हैं कि मोगोक शहर में शनिवार को तीन लोग मारे गए। देश में गिरफ्तारियों और मारे गए लोगों का लेखा जोखा रखने वाले 'असिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स' के मुताबिक तख्तापलट के बाद से 728 प्रदर्शनकारी और आम नागरिक सुरक्षा बलों के हाथों मारे गए हैं। समूह का कहना है कि 3,141 लोग हिरासत में हैं, जिनमें देश की नेता आंग सान सू ची भी शामिल हैं।

जलवायु परिवर्तन भू-राजनीति के लिए सौदेबाजी का उपकरण न बने : चिनफिंग

बीजिंग।

जलवायु परिवर्तन का निपटारा करना पूरी मानव जाति का समान कार्य है, इसे भू-राजनीति के लिए सौदेबाजी की चिप नहीं बनानी चाहिए और दूसरे देशों पर हमला करने और व्यापारिक रुकावट डालने का बहाना नहीं होना चाहिए। यह बात चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने हाल में चीन-फ्रांस-जर्मनी शिखर वीडियो सम्मेलन में कही। बीते कई वर्षों में एकतरफावाद और महामारी का राजनीतिकरण किए जाने जैसी तर्कहीन कार्रवाइयों से विश्व को नुकसान पहुंचाया और विश्व में अस्थिरता पैदा की। अगर जलवायु परिवर्तन का निपटारा करने के सवाल पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय खास तौर पर पश्चिमी देश इससे सबक नहीं लेते हैं, बहुत खराब परिणाम सामने आ सकते हैं। सौभाग्य की बात है कि कई बड़े देशों के नेताओं ने साहस और दूरगामी सामरिक दृष्टिकोण दिखाया। इस बार के वीडियो शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमेनुएल मैक्रों और जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने एक स्वर में कहा कि वे बहुपक्षवाद पर कायम रहेंगे, पेरिस समझौते का व्यापक कार्यान्वयन करेंगे और एक साथ न्यायपूर्ण और उचित वैश्विक जलवायु प्रशासन व्यवस्था की रचना करेंगे। हाल में चीन के शिनच्यांग और हांगकांग आदि मसलों पर यूरोप के कई राजनेता अमेरिका के नेतृत्व वाले चीन विरोधी गठबंधन में शामिल हुए और चीन-यूरोप संबंधों को नुकसान पहुंचाया। फ्रांस और जर्मनी यूरोपीय संघ के दो सबसे अहम सदस्य देश हैं। इस समय उनके द्वारा चीन के साथ जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में सहयोग करने पर सहमति पाए जाने से यह जाहिर है कि यूरोपीय देशों में प्रमुख देश चीन के साथ सहयोग करने को महत्व देते हैं। दोनों के बीच समान हित संभवतः विचारधारा और राजनीतिक प्रणाली की भिन्नता से परे हो सकते हैं।

जापान व ईरान में भूकंप के तेज झटके

तेहरान:

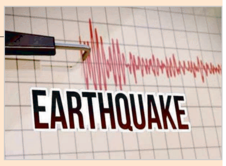

ईरान में रविवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गई। यूरोपीय भूमध्यसागरीय विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी। केन्द्र ने बताया कि ईरान के उत्तर-उत्तरपश्चिम से 59.6 मील दूर बुशेहर शहर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का केन्द्र जमीनी सतह से 6.2 मील की गहराई पर स्थित था। अभी तक भूकंप से किसी के हताहत और नुकसान होने की रिपोर्ट नहीं मिली है। उधर, जापान में आज सुबह तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। हालांकि, इन झटकों से किसी भी प्रकार के नुकसान की कोई भी खबर सामने नहीं आई है और ना ही किसी भी प्रकार से सुनामी की चेतावनी दी गई है। भूकंप का केंद्र मियागी प्रान्त रहा। मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के अनुसार, यह झटके सुबह करीब 9 बजकर 29 मिनट के पास महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 5.8 रही। इससे पहले भी जापान में कई बार तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।

इस वर्ष पाकिस्तान में कोरोना वायरस के एक दिन में सर्वाधिक नए मामले दर्ज

इस्लामाबाद:

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के इस वर्ष एक दिन में सर्वाधिक 6,000 नए मामले रविवार को सामने आए तथा 149 संक्रमितों की मौत हुई। इस बीच, देश टीकाकरण अभियान को गति देने के लिए संघर्ष कर रहा है। इससे पहले सर्वाधिक नए मामले पिछले वर्ष 20 जून को सामने आए थे। तब संक्रमण के मामलों की संख्या 6,825 थी तथा 153 संक्रमितों की मौत हुई थी। देश में रविवार को संक्रमण के 6,127 नए मामले सामने आए तथा कुल मामले 7,56,285 पर पहुंच गए। मृतक संख्या भी बढ़कर 16,243 पर पहुंच गई। संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच सरकार ने घोषणा की है कि 21 अप्रैल से 50-59 आयुवर्ग के लोगों का टीकाकरण शुरू किया जाएगा। अब तक 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के लोगों का ही टीकाकरण किया जा रहा था। दो फरवरी से शुरू हुए टीकाकरण अभियान की गति यहां बहुत ही धीमी है। 22 करोड़ की आबादी वाले देश में महज 13 लाख लोगों का ही टीकाकरण हुआ है। बता दें कि पाकिस्तान में कोरोना महामारी लगातार बेकाबू होती जा रही है जिस कारण सरकार परेशान हो रही है। पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण की मौजूदा दर 7.6 फीसद तक पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 15 फरवरी 2021 को पाकिस्तान में एक ही दिन में 958 कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आए थे, वहीं अब ये बढ़कर 4976 तक जा पहुंचे हैं। देश में कोरोना संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 750158 तक जा पहुंचे हैं। इनमें सात दिनों के दौरान करीब साढ़े तीन फीसदी का इजाफा दर्ज

किया गया है। इसी तरह से देश में अब तक 654956 मरीज ठीक हुए हैं और 16094 मरीजों की मौत कोरोना संक्रमित होने की वजह से हो चुकी है। सिंध में 31 जनवरी के बाद से सबसे अधिक कोरोना संक्रमित मरीज एक ही दिन में सामने आए हैं। गौरतलब है कि कुछ ही दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के विशेष सचिव डॉक्टर फैसल सुल्तान ने कहा था कि लोग कोविड-19 महामारी को लेकर लापरवाह हो रहे हैं। इसकी वजह से संक्रमण तेजी से फैल रहा है। उनके मुताबिक लोग सरकार के बताए दिशा-निर्देशों को नहीं मान रहे हैं और सड़कों पर बिना मास्क लगाए घूम रहे हैं। यही हाल बाजारों का भी है। इसकी वजह से देश में संक्रमण की रफ्तार तेजी से बढ़ी है।

जापानी नेताओं को आकस्मिक तौर पर इस्तेमाल करता है अमेरिका

बीजिंग।

चीन में स्थानीय समयानुसार 16 अप्रैल को अमेरिका और जापान के शिखर सम्मेलन के बाद एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया, जिसकी मुख्य थीम चीन का सामना करना है। पूर्वी सागर, दक्षिण चीन सागर, थाईवान, हांगकांग और शिनच्यांग जैसे चीन की प्रभुसत्ता और केंद्रीय हितों से संबंधित मुद्दे सब वक्तव्य में पेश किए गए थे।

लगता है, मानो जापान अमेरिका का दास और मोहरा हो। निहोन कीजै शिंबुन ने रिपोर्ट देकर कहा कि जापान की मौजूदा स्थिति अमेरिका के लिए उपयोगी है, लेकिन वास्तव में जापानी राजनेताओं को अमेरिका द्वारा आकस्मिक रूप से उपयोग किया जाता है। उल्लेखनीय बात यह है कि इस संयुक्त वक्तव्य में पहली बार थाईवान मसले को भी शामिल किया गया, जो एक अहम प्रवृत्ति है। जापान ने खुलेआम चीन-जापान संबंधों के निषिद्ध क्षेत्र में प्रवेश किया और बहुत खतरनाक कदम उठाया।

जापान के चीन आक्रमण इतिहास और चीन के थाईवान में जापान के औपनिवेशिक इतिहास के मद्देनजर यह कदम भावी जापान-चीन संबंधों पर बुरा असर डालेगा। इधर के वर्षों में जापान ने चीन के संबंधों का सुधार करने की इच्छा प्रकट की, लेकिन अचानक चीन विरोधी कार्रवाई क्यों की? अमेरिका के बाहरी दबाव के अलावा जापान अमेरिका का प्रयोग कर चीन को नियंत्रित भी करना चाहता है।

जापान में अब महामारी के झटके में है। 2020 में जापान की आर्थिक विकास दर 4.83 प्रतिशत रही। महामारी में विफल होने और आर्थिक मंदी की वजह से जापान घरेलू समस्याओं से ध्यान भटकाना चाहता है, ताकि सितंबर में आयोजित होने वाली लिबरल डेमोक्रेटक पार्टी के अध्यक्षीय चुनाव में जीत हासिल की जा सके, जबकि बाइडेन सरकार के सत्ता में आने के बाद चीन को प्रतिद्विंदी बनाने से जापान को आवश्यक मौका मिला है। लेकिन जापान के राजनेताओं को यह स्पष्ट रूप से जानना चाहिए कि थाईवान सवाल चीन के केंद्रीय हितों से संबंधित है। यदि जापान अमेरिका के साथ मिलकर इस मसले पर चीन को चुनौती देगा, तो जापान को जबरदस्त प्रतिक्रिया जरूर मिलेगी।

2022 में चीन और जापान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ होगी। क्या जापान सरकार प्रतिरोध के तरीके से इस ऐतिहासिक महत्व वाले साल का स्वागत करेगी? इतिहास से पहले ही साबित हो चुका है कि सबक न लेने वाले देशों का उज्जवल विकास भविष्य नहीं होगा। जापानी राजनेता अंततः अपने द्वारा द्वारा लगाया गया कड़वा फल खाएंगे।

पाक को रूस की मदद की खबर बकवास

मास्को ।

वैश्विक मंच पर एक बार फिर पाकिस्तान की किरकिरी हुई है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के पाकिस्तान दौरे के बाद दावा किया गया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हर मोर्चे पर आर्थिक सहायता मुहैया कराने का प्रस्ताव दिया है। जिसे रूसी राजनयिकों ने अब झूठा करार दिया है। रूस के राजनयिकों ने ब्लैंक चेक वाले पाकिस्तान के दावे को झूठा प्रसार और फेक न्यूज का हिस्सा बताया है। दरअसल पाकिस्तानी मीडिया में इमरान खाने के ब्लैंक चेक वाले बयान को छापा था, जिसके बाद रूसी राजनयिकों ने इसे फेक न्यूज बताया है। रूसी राजनयिकों के सूत्रों ने बताया कि ये पाकिस्तान की पुरानी आदत है कि वो रूस के साथ अपने रिश्ते को बढ़ा-चढ़ाकर बताता है। उन्होंने आगे कहा कि मॉस्को पाकिस्तान को सैन्य उपकरण बेचने नहीं जा रहा है। बता दें कि हाल ही में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत के बाद पाकिस्तान का दौरा किया था। उस दौरान विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को सैन्य उपकरण मुहैया कराने की बात कही थी। पाकिस्तानी मीडिया ने एक रिपोर्ट छापकर दावा किया कि रूसी विदेश मंत्री ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया और ये संदेश राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का था। एक पाकिस्तानी अधिकारी ने बताया कि विदेश मंत्री लावरोव ने कहा था कि मैं अपने राष्ट्रपति की तरफ से एक संदेश लेकर आया हूं, जिसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को जिस चीज की भी जरूरत रहेगी, रूस उसके तैयार रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

चेक गणराज्य ने 18 रूसी राजनयिकों को किया निष्कासित

इंटरनेशनल डेस्क: चेक गणराज्य ने शनिवार को घोषणा की कि वह गोला-बारूद के एक डिपो में 2014 में हुए विस्फोट के जुड़े मामले में उन 18 रूसी राजनयिकों को निष्कासित कर रहा है जिनकी पहचान जासूस के तौर पर की गई है। चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री आंद्रेज बाबिस ने कहा कि चेक गणराज्य की खुफिया एवं सुरक्षा सेवाओं ने सबूत मुहैया कराए हैं, जो एक पूर्वी कस्बे में हुए उस बड़े विस्फोट में रूसी सेना के एजेंटों की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं, जिसमें ''दो निर्दोष पिता'' मारे गए थे। बाबिस ने कहा, ''चेक गणराज्य एक सम्प्रभु देश है और उसे इस प्रकार के अप्रत्याशित नतीजों का उचित जवाब देना ही चाहिए। देश के गृह एवं विदेश मंत्री जान हामासेक ने कहा कि रूसी दूतावास के 18 कर्मियों की पहचान रूसी जासूसों के तौर पर स्पष्ट रूप से हुई हैं और उन्हें 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। वर्बेटिका में 16 अक्टूबर, 2014 को एक डिपो में हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई थी। डिपो में 50 टन गोला-बारूद रखा था।

अमेरिका का हांगकांग संबंधी बयान हास्यास्पद

बीजिंग। अमेरिका ने स्थानीय समयानुसार 16 अप्रैल को बयान जारी कर उन अपराधियों को रिहा करने का अनुचित आग्रह किया, जिन्होंने चीन का विरोध किया और हांगकांग में अराजकता फैलाई। अमेरिका के इस हास्यास्पद बयान से स्पष्ट रूप से यह जाहिर हुआ है कि ली चिइंग आदि ने विदेशी ताकतों से संपर्क रखकर देश की सुरक्षा को बर्बाद करने का अपराध किया। साथ ही यह भी जाहिर हुआ है कि अमेरिका निरंतर खुले तौर पर अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करता है, और अपनी इच्छा से चीन के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप करता है। अमेरिका के कथन व कार्रवाई ने मुक्ति, लोकतंत्र, शांति व कानून आदि विचार-धाराओं को रौंद दिया। अमेरिका द्वारा ली चिइंग, ली जूमिंग व हो ज्वनरेन आदि व्यक्तियों को हांगकांग का लोकतांत्रिक नेता कहा जाता है। लेकिन वास्तव में ये लोग हांगकांग में लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। उन लोगों ने तथाकथित शांति समारोह में भाग लिया या अध्यक्षता की। पर सही बात यह है कि उन्होंने हांगकांग में उथल-पुथल बनाकर देश का विभाजन करने की कोशिश की। इस बार हांगकांग की अदालत ने उन लोगों के मुकदमों की निष्पक्ष सुनवाई की, और उन्हें उचित सजा भी दी। इसमें हांगकांग में कानून से शासन करने की भावना दिखती है। वह विस्तृत हांगकांग नागरिकों के आग्रह का एक जवाब भी है। लेकिन अमेरिका ने अन्य देशों के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप कर चीन के हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की न्यायपूर्ण सुनवाई पर गैर-जिम्मेदार टिप्पणी की। यहां तक कि अपराधियों को रिहा करने का आग्रह भी किया गया। अमेरिका की कार्रवाई ने कानून से शासन करने की कोशिश को रौंद दिया है। ठीक उसी दिन हांगकांग के कानूनी विभाग ने बयान जारी करके कहा कि अमेरिका के आग्रह ने खुले तौर पर अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है। गतवर्ष चीन ने हांगकांग का राष्ट्रीय सुरक्षा कानून जारी किया, और इस वर्ष हांगकांग की चुनाव प्रणाली में सुधार किया। इन दो महत्वपूर्ण कदमों से हांगकांग की सामाजिक स्थिति स्थिर बनी। विभिन्न जगतों, विभिन्न वर्गों और विभिन्न पक्षों के लाभ सुनिश्चित किए गए हैं। हांगकांग वासियों के मन में यही उच्चस्तरीय स्वशासन है।

अमेरिका ने 6 पाकिस्तानी नागरिकों और चार कंपनियों को ब्लैक लिस्ट में डाला

ताशकंद । अमेरिका ने रूसी कंपनियों को फर्जी दस्तावेजों की मदद से प्रतिबंधों से बचाने के आरोप में छह पाकिस्तानी नागरिकों और उनकी चार कंपनियों पर पाबंदी लगा दी है। अमेरिका ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश के बाद मॉस्को पर प्रतिबंध लगाए थे।अमेरिकी राजकोष विभाग द्वारा जारी बयान में कहा कि सेकंड आई सॉल्यूशन (एसईएस) जिसे फॉरवार्डेज के नाम से भी जाना जाता है, को 3 अन्य कंपनियों-फ्रेस एयर फार्म हाउस, लाइक वाइस और एमके के साथ प्रतिबंधित किया जाता है। इसके अलावा पाकिस्तानी नागरिक मोहसिन रजा, मुजताब रजा, सैयद हसनैन, मुहम्मद हयात, सैयद रजा और शहजाद अहमद पर भी पाबंदी लगाई जाती है। अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट एल येलेन ने कहा कि वित्त विभाग उन रूसी नेताओं, अधिकारियों, खुफिया सेवाओं और उनके छद्मों को निशाना बनाएगा जिन्होंने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप की कोशिश की या अमेरिकी लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया।

दुनिया के सबसे बड़े कार्बन प्रदूषक अमेरिका-चीन जलवायु संकट पर तत्काल सहयोग के लिए सहमत

इंटरनेशनल डेस्क:

दुनिया के सबसे बड़े कार्बन प्रदूषकों अमेरिका एवं चीन ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अन्य देशों के साथ सहयोग करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच ऐसे समय में यह सहमति बनी है, जब कुछ ही दिन बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन जलवायु परिवर्तन पर चर्चा के लिए विश्व के नेताओं के साथ डिजिटल शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। बाइडेन ने 22 और 23 अप्रैल को आयोजित होने वाले शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग समेत दुनिया के 40 नेताओं को आमंत्रित किया है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि जलवायु परिवर्तन संबंधी मामलों के लिए अमेरिका के विशेष दूत जॉन केरी और उनके चीनी समकक्ष शिए झेनहुआ पिछले सप्ताह शंघाई में दो दिवसीय बातचीत के दौरान सहमति पर पहुंचे। संयुक्त बयान में कहा गया, ''अमेरिका और चीन जलवायु संकट से निपटने के लिए एक-दूसरे और अन्य देशों के साथ सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस संकट से गंभीरता से और तत्काल निपटा जाना चाहिए। चीन और अमेरिका दुनिया के सबसे बड़े कार्बन प्रदूषक हैं। जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों की सफलता के लिए उनका सहयोग अहम है, लेकिन मानवाधिकार उल्लंघन संबंधी मामलों, व्यापार और दक्षिण चीन सागर एवं ताइवान पर चीन

के दावे के कारण दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हैं। केरी की यात्रा बाइडन के जनवरी में राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से किसी उच्च स्तरीय अमेरिकी अधिकारी की पहली चीन यात्रा है। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री केरी शंघाई से दक्षिण कोरिया रवाना हो गए।

चीन ने अमेरिका और जापान के संयुक्त बयान का जवाब दिया

बीजिंग।

अमेरिका और जापान के नेताओं ने 16 अप्रैल को बैठक का आयोजन कर संयुक्त बयान जारी किया। उन्होंने चीन के थाईवान, त्याओयू द्वीप, हांगकांग, शिन्च्यांग और दक्षिण चीन सागर आदि मुद्दों पर अपनी राय जाहिर की। इस बारे में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 17 अप्रैल को कहा कि थाइवान और त्याओयू द्वीप चीन की प्रादेशिक भूमि हैं। हांगकांग और शिन्चयांग से संबंधित मामले चीन के आंतरिक मामले हैं। चीन दक्षिण चीन सागर में द्वीपों और उनके पास समुद्री क्षेत्रों की संप्रभुता निर्विवाद है। अमेरिका और जापान ने संयुक्त बयान जारी किया और चीन के आंतरिक मामलों में सीधा हस्तक्षेप किया। इस बात ने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन किया। चीन ने इसको लेकर गंभीर असंतोष व विरोध प्रकट किया। चीन ने राजनयिक तरीके से अमेरिका और जापान के समक्ष अपना दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से प्रकट किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और जापान निःशुल्क और खुले का प्रचार करते हैं। लेकिन वास्तव में वे समूहों के बीच टकराव पैदा करते हैं। ये समय की प्रवृत्ति के खिलाफ हैं। साथ ही ये बात इस क्षेत्र और पूरी दुनिया के अधिकांश देशों की आम उम्मीदों के खिलाफ है। अमेरिका और जापान समूह का स्वरूप और साजिश क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को खतरे में डालना है। उन्होंने

आगे कहा कि चीन ने अमेरिका और जापान को चीन की चिंताओं पर गंभीरता से ध्यान दिलाया है। साथ ही, उन्हें एक चीन सिद्धांत का पालन करने और चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप और चीन की हितों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश खत्म करनी चाहिए। चीन इस दिशा में सभी जरूरी कदम उठाएगा और अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा करेगा।

संपादकीय

बेहद घातक संक्रमण

सद्धार्थ शंकर/ कोरोना वायरस की दूसरी लहर बेहद घातक साबित हो रही है। गुरुवार को पहली बार इसने एक दिन में दो लाख संक्रमण का आंकड़ा पार कर लिया। यह इससे एक दिन पहले के मुकाबले 9 फीसदी अधिक था। इस दौर 1184 मरीजों की मौत हुई जो पिछले साल सितंबर के बाद सबसे ज्यादा है। इसी बीच देश में सक्रिय मरीजों की संख्या 15 लाख पहुंच गई। इस महीने सक्रिय मरीजों की संख्या ढाई गुना तक बढ़ गई है। 31 मार्च को यह 6 लाख थी। ज्यादा सक्रिय मामलों का अर्थ है कि इससे संक्रमण का खतरा भी बढ़ेगा और मौतों की संख्या में भी तेजी आएगी। गुरुवार को 14 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में अब तक के सबसे अधिक कोरोना संक्रमण के मामले सामने आए। कोरोना वायरस की भयावह रफ्तार के चलते अब तक 16 राज्यों में हालात बिगड़ चुके हैं। वहीं, कोरोना ने लगातार तीसरे दिन देश में एक हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली। दूसरी बार एक दिन में दो लाख से ज्यादा लोग कोरोना वायरस की चपेट में आए। पिछले वर्ष 30 जनवरी को देश में पहला संक्रमित मरीज मिला था। तब से लेकर अब तक एक दिन में सबसे अधिक मामले मिलने का यह नया रिकॉर्ड है। सिर्फ नौ दिन में प्रतिदिन मिलने वाले मामले एक से बढ़कर दो लाख हो गए। वहीं, अमेरिका में इतने ही मामले होने में 21 दिन लगे थे। संक्रमित मरीजों की संख्या बढने से ठीक होने की दर घटती जा रही है। देश में अभी 88.31 फीसदी मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि करीब 15 लाख सक्रिय मरीजों का इलाज चल रहा है। देश में कोरोना की सक्रिय दर 10.46 फीसदी तक पहुंच चुकी है, जो इससे पहले कभी देखने को नहीं मिली। इसके अलावा देश में पहली बार एक दिन में 1.06 लाख सक्रिय केस बढ़े हैं। कोरोना से निपटने के लिए कई राज्यों ने जो सख्त प्रतिबंध लगाए हैं, उन्हें और नहीं टाला जा सकता था। इस सख्ती का फौरी मकसद यही है कि लोग घरों से न निकलें और संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सके। ऐसी सख्ती पहले ही लागू हो जाती तो हालात बेकाबू होने से बच जाते। पर विशेषज्ञों की चेतावनियों को जिस तरह नजरअंदाज किया जाता रहा, उसी का नतीजा आज हम भुगत रहे हैं। भारत अब कोरोना की सबसे तगड़ी मार झेलने वाला दुनिया का पहला देश हो गया है। चौंकाने वाला आंकड़ा यह भी है कि अब दुनिया में हर दस में चौथा मरीज अपने यहां का है। देश के तमाम शहरों के अस्पतालों और श्मशानों से आ रही तस्वीरें हालात की भयावहता बता रही हैं। उधर विशेषज्ञ चेता रहे हैं कि महामारी का सिलसिला थमने के फिलहाल कोई आसार नहीं हैं। संक्रमितों का आंकड़ा रोजाना पंद्रह से बीस हजार की दर से बढ़ रहा है। जाहिर है, एक दिन में संक्रमितों का आंकड़ा तीन लाख पहुंचने में कोई ज्यादा वक्त नहीं रह गया है। गौर करने की बात यह है कि अस्पतालों में बिस्तरों और दवाइयों की कमी अभी से होने लगी है। रेमडेसिविर के इंजेक्शन से लेकर आक्सीजन के सिलेंडर कम पड़ जाने से सबका दम फूल रहा है। यह संकट की घड़ी है। इसमें हम जितनी सूझबूझ और संयम से काम लेंगे, उतनी जल्दी संकट से बाहर आ सकेंगे। ऐसी आपदओं से देशों की अर्थव्यवस्थाएं पटरी से उतर जाती हैं। आमजन की माली हालत खराब हो जाती है। व्यापार बैठ जाते हैं। पिछले एक साल से हम यह देख भी रहे हैं।

आज के ट्वीट

महत्व

जिस व्यक्ति ने समय का महत्व सीख लिया, वह व्यक्ति जीवन में कभी असफल नहीं हो सकता।

-- विवेक बिन्द्रा

कोरोना के दूसरे दौर में याद आने लगी पिछले साल की घटनाएं

[अनंत विजय]।

कोरोना की दूसरी लहर की वजह से लोगों ने फिर से अपने-अपने घरों से निकलना कम कर दिया है। स्थितियां इस तरह की बनने लगी हैं कि पिछले साल की घटनाएं और स्थितियां याद आने लगी हैं। एक बार फिर से इलेक्ट्रानिक या ई-फॉर्मेट में प्राचीन पुस्तकों का आदान-प्रदान शुरू हो गया है। कुछ ऐसी पुस्तकें भी इस दौरान देखने को मिल रही हैं जो अब अप्राप्य हैं या जिनका प्रकाशन अब नहीं हो रहा है। पिछले साल जब कोरोना का कहर था तब भी एक ऐसी ही दुर्लभ पुस्तक ई फॉर्मेट में प्राप्त हुई थी। पुस्तक का नाम था 'सनातन धर्म, एन एलिमेंट्री टेक्स्टबुक ऑफ हिंदी रिलीजन एंड एथिक्स'। इस पुस्तक के लेखक का नाम नहीं था लेकिन इसके कवर पर प्रकाशन वर्ष उन्नीस सौ सोलह और प्रकाशक के तौर पर सेंट्रल हिंदू कॉलेज बनारस के मैनेजिंग कमेटी का उल्लेख था। पिछले साल ये पुस्तक काफी उपयोगी मानी गई थी। अभी एक ऐसी ही महत्वपूर्ण पुस्तक प्राप्त हुई है जिसका नाम है 'जन जनक जानकी' जिसके संपादक है सच्चिदानंद वात्स्यायन। वात्स्यायन जी को ज्यादातर लोग अज्ञेय के नाम से जानते हैं। इस पुस्तक के प्रकाशन वर्ष का उल्लेख नहीं है लेकिन ये उन्नीस सौ तिरासी के एक या दो वर्षों के बाद प्रकाशित हुई थी। ये पुस्तक इस अर्थ में भी महत्वपूर्ण है कि इसमें हिंदी के सत्रह महत्वपूर्ण लेखकों के विचार हैं जो एक यात्रा के दौरान उपजे थे। दरअसल उन्नीस सौ तिरासी में अज्ञेय जी की अगुवाई में लेखकों के एक दल ने बाइस जनवरी से लेकर अठारह मार्च तक दो चरणों में यात्रा की थी। इस यात्रा को 'जानकी जीवन यात्रा' का नाम दिया गया था और यात्रा के रूट को 'सीयराममय पथ' कहा गया था। पहले चरण में जनकनंदिनी के जन्मस्थान बिहार के सीतामढ़ी से लेकर श्रीराम प्रभु के जन्मस्थान अयोध्या तक और फिर दूसरे चरण में अयोध्या से लेकर चित्रकूट तक की यात्रा की गई थी। इस पुस्तक की भूमिका में इस यात्रा का उद्देश्य भी स्पष्ट किया गया है, 'यह यात्रा केवल राम-जानकी की कथा से जुड़े स्थलों को देखने के लिए नहीं की गई थी, न ही उसका उद्देश्य रामायण की कथा के भौगोलिक विस्तार के प्रमाण को खोजने के लिए की गई थी। रामायण की, राम-जानकी की कथा का, भारत के जन जीवन में जो महत्वपूर्ण स्थान है, लोक चित्त जिस प्रकार उस कथा से जुड़कर ही अपनी सांस्कृतिक अस्मिता की पहचान बनाता है उसको रेखांकित करने का प्रयास था।' जब अज्ञेय जी ने इस यात्रा की योजना बनाई थी तब वो वामपंथ का दौर था और वामपंथी इतिहासकार भारतीय पौराणिक चरित्रों को लगातार मिथक कहकर प्रचारित और स्थापित कर रहे थे। वैसे समय में अज्ञेय ने 'जानकी जीवन यात्रा' का आयोजन करके वामपंथियों को सांस्कृतिक मोर्चे पर चुनौती दी थी। यात्रा के पहले अज्ञेय ने पटना में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा भी था कि, 'महाकाव्य-चेतना राष्ट्र एवं मनुष्य मात्र की भावनात्मक एकता को सार्थक और गतिशील बनाती है। लोकजीवन की प्रेरणा हमेशा से शाश्वत काव्य की उदगम भूमि रही है, आज भी राष्ट्र और मनुष्य मात्र की भावनात्मक एकता को शाश्वत सांस्कृतिक धरातल पर प्रतिष्ठित करने के लिए महाकाव्य-चेतना की अंतर्निहित शक्ति की पुनः खोज करनी पड़ेगी। एक लेख में जितेन्द्र सिंह ने लिखा था- 'आजकल प्राचीन भारतीय इतिहास के विख्यात विद्वान इस विषय पर तीखी बहस चला रहे हैं कि क्या वाल्मीकि रामायण या तुलसीकृत रामचरितमानस में वर्णित मूल कथा अधिक ऐतिहासिक और पुरातन है अथवा वेदव्यास रचित महाभारत की कथा?' इसके अलावा इस बात पर भी चर्चा हो रही थी कि क्या साहित्य से या पौराणिक ग्रंथों से इतिहास के संकेत मिलते हैं? अज्ञेय इन प्रश्नों से सीधे तो नहीं टकरा रहे थे लेकिन परोक्ष रूप से वो ये संकेत करना चाहते थे कि 'हमारे रचनाकार इतिहास के घटनाचक्र और उसके अनुक्रम से अधिक महत्व माहाकाव्यों के गाथाओं में गुंफित लोकजीवन के शाश्वत सत्य को मानते हैं।' 'जानकी जीवन यात्रा' को ज्यादा समय नहीं बीता है। अड़तीस साल पहले की गई इस महत्वपूर्ण यात्रा और उस यात्रा के बाद लिखे गए लेखों पर आधारित पुस्तक का उपलब्ध ना होना भी कई प्रश्न खड़े करता है। यह प्रश्न स्वाभाविक तौर पर उठता है कि क्या साहित्य के इतिहास की इस महत्वपूर्ण घटना को हाशिए पर डालकर उसको विस्मृत करने का षडयंत्र तो नहीं रचा गया। यह अनायस नहीं है कि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के 'कल्याण' पत्रिका में छपे लेखों पर चर्चा नहीं होती, उसका कहीं उल्लेख नहीं मिलता। निराला को वामपंथी साबित करने के लिए उनकी कविताओं की तमाम तरह की व्याख्या हमारे सामने है लेकिन 'कल्याण' के 'कृष्ण भक्ति अंक' में लिखा उनका लेख नहीं मिलता। दो साल पहले पटना पुस्तक मेला के दौरान हिंदी के वरिष्ठ कवि लीलाधर जगूड़ी ने एक अनौपचारिक बातचीत में बताया था कि वासुदेव शरण अग्रवाल ने 'श्रृंगार हाट' नाम से एक पुस्तक लिखी थी। उस पुस्तक में पौराणिक काल में स्त्रियों के श्रृंगार की विधियों का वर्णन है। ये पुस्तक भी उपलब्ध नहीं है। इस तरह के कई और उदाहरण हैं जहां हिंदी के पूर्वज लेखकों की उन रचनाओं को दरकिनार करने की कोशिश की गई जिसमें भारतीयता और हिंदू धर्म प्रतीकों के बारे में बात की गई हो। हमारे देश के विश्वविद्यालयों के हिंदी विभागों पर वामपंथियों का लंबे समय से कब्जा है लिहाजा इन विषयों पर शोध कार्य भी नहीं हो सका। नतीजा यह हुआ कि जो पुस्तकें वामपंथी विचारधारा का पोषण नहीं करती थीं और जिनमें भारतीयता और यहां के लोक-तत्व मिलते थे वो ओझल होते चले गए। देश के लेखन की विरासत से पीढ़ियों को दूर करने का या उसके बारे में उनको अंधेरे में रखने का जो अपराध पूर्व में हुआ है, उसके लिए किसी को दंडित तो नहीं किया जा सकता है। उसका प्रायश्चित तो किया ही जा सकता है। प्रायश्चित इस रूप में कि उन अनुपलब्ध पुस्तकों को आधुनिक रूप में प्रकाशित करके युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का उपक्रम हो । सरकार की सांस्कृतिक संस्थाओं को पहल करनी चाहिए और इस संकट के समय में जितनी पौराणिक पुस्तकें लोगों के पास पहुंच रही हैं उसको जमा कर, उसकी प्रामाणिकता जांचने के बाद उसको प्रकाशित करने की दिशा में प्रयास किया जाना चाहिए।

ज्ञान गंगा

अनुभव

आचार्य रजनीश ओशो/ मैं एक आदमी को देखा जो ग्यारह वर्षो से खड़ा हुआ है। उनका नाम ही खड़ेश्री बाबा हो गया है। मैंने पूछा, लेकिन इस आदमी पर क्या मुसीबत आ पड़ी? यह खड़ा क्यूं हो गया? मेरे ड्राइवर एक सरदार जी थे, बड़े ज्ञानी थे। गाड़ी कम चलाते थे, जपुजी ज्यादा पढ़ते थे। बोले कि कुछ नहीं हुआ, इसकी पत्नी ने इससे कहां खड़े रहो और खुद किसी दूसरे पति के साथ भाग गयी। तब से यह बेचारा खड़ा है। अब कोई इसको बिठाए तो बैठे। धर्म धर्म है, उसका पालन तो करना ही पड़ता है। पत्नी किसी और को अभ्यास करवा रही होगी धर्म का, आध्यात्मिक का। यह बेचारा यही अभ्यास कर रहा है। खड़ा हुआ है। इमैन्युअल कांट के लिए मैं कोई आलोचना नहीं करता, लेकिन तुमसे मैं यह कहता हूं कि अगर तुम्हारे जीवन में कभी भी कोई प्रकाश की जरा सी भी किरण दिखाई पड़े, सुगंध की कोई जरा सी झोंक, तो वही दिशा है, वही मार्ग है। फिर हिम्मत करना, फिर रुकना मत। सोचने का काम बाद में कर लेंगे। और यह मेरा अनुभव है कि जो इस रास्ते पर बढ़े हैं, उन्होंने फिर सोचने की कोई जरूरत नहीं समझी। क्योंकि हर अनुभव और गहरा होता गया। हर अनुभव नई छलांग, नई चुनौती और नये परिवर्तन और नई-नई क्रांति पर ले जाता रहा। तो जो तुम्हें हो रहा है, बिल्कुल ठीक हो रहा है। सोचो मत। सोचने से रु क जाएगा। क्योंकि जीवन के सारे गहरे अनुभव हृदय से होते हैं, बुद्धि से नहीं होते। और सोचना बुद्धि से होता है। और बुद्धि और हृदय का कोई मेल नहीं बैठता तो बुद्धि तुम्हें पागल कहेगी कि यह क्या पागलपन है कि शरीर में झुरझुरी आ रही है। जाओ किसी डाक्टर को दिखाओ। यह क्या पागलपन है? कि अकेले बैठे-बैठे मुस्कुरा रहे हो। चलो, किसी मनोवैज्ञानिक को दिखा आओ। यह दुनिया बहुत अजीब है। यहां अगर तुम शांति से बैठकर कुछ भी नहीं कर रहे हो तो हर आदमी टोकेगा। क्यों जी, क्यों फिजूल बैठे हुए हो? शर्म नहीं आती? दुनिया मरी जा रही है और तुम बैठे हो। हजार काम करने को पड़े हैं और तुम बैठे हो। कोई जाकर एडोल्फ हिटलर को नहीं कहता कि तुम क्या कर रहे हो? छह करोड़ लोगों कि हत्या-लेकिन काम बड़ा कर रहा है। अगर तुम बैठे-बैठे गुनगुना रहे हो तो लोग कहेंगे कि जिंदगी बरबाद कर रहे हो। जैसे कि उन्हें जिंदगी मिल गई। बीड़ी पीओ! दम मारो दम! बैठे-बैठे मुस्कुरा रहे हो। किसी ने देख लिया तो नाहक बदनामी होगी।अंग्रेजी कहावत है, इट इज बैटर टू डू समथिंग दैन नथिंग।

कुदरती खेती के भ्रम दूर करने की जरूरत

उमेश चतुर्वेदी

रासायनिक कीटनाशक एवं खाद और जेनेटिक बीज केंद्रित खेती के मुकाबले जिस जैविक खेती को लेकर चाहत बढ़ रही है, दरअसल वह कुदरती खेती है। सुखद है कि इस खेती की ओर अब किसान लगातार आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही इसकी उपज की खरीद और उसके इस्तेमाल में लोगों की दिलचस्पी धीरे-धीरे ही सही, तेजी से बढ़ रही है। कोरोना की बीमारी ने इस खेती के प्रति ललक को और बढ़ाया ही है। इस ललक बढ़ने की पहली वजह शहरों में महाबंदी के दौरान घटे रोजगार के साधनों से गांवों की ओर वापसी का दबाव रही तो दूसरी वजह स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता रही। लेकिन इस खेती की सबसे बड़ी समस्या यह है कि रासायनिक खाद और कीटनाशक केंद्रित खेती की तरह इसे भी प्रगतिशीलता का पर्याय मान लिया गया है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के किसानों के एक छोटे समूह से हाल ही में हुई मुलाकात ने कथित जैविक खेती को लेकर नयी समझ बनाने में मदद की है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के निवासी लोकेश गौतम रासायनिक खेती को करीब डेढ़ दशक पीछे छोड़ आए हैं। उनका कहना है कि जिसे हम जैविक खेती कह रहे हैं, दरअसल वह प्राकृतिक और बिना किसी बाहरी खर्च वाली खेती है। न्यूजीलैंड से नेटवर्किंग में ऊंची पढ़ाई करके पंजाब के फाजिल्का में कुदरती खेती कर रहे विश्वजीत सिंह ज्याणी बाकायदा कृषि और मृदा विज्ञान की भाषा में कुशलतापूर्वक समझाते हैं। उनका कहना है कि कुदरती खेती दरअसल मिट्टी के जीवाणुओं को लगातार बचाने और उन्हें विकसित करने की प्राकृतिक प्रक्रिया है। इस तरह जो खेती होती है, उससे सिर्फ अन्न, तरकारी या फल का उत्पादन ही नहीं होता, बल्कि अगली फसल के लिए मिट्टी जीवाणुओं से भरती रहती है। इस तरह मिट्टी का जीवन चक्र चलता रहता है और फसल चक्र भी। लेकिन रासायनिक खेती ने इस चक्र को ही खत्म कर दिया। रही-सही कसर पूरी कर दी जेनेटिकली विकसित बीजों ने। जो एक फसल के बाद नयी पौध तक उगाने लायक नहीं रहते या अगर उनमें अंकुर फूट गए तो उसमें दाने नहीं लगते। भारत को सदियों से शस्य यानी कृषि संस्कृति वाला देश माना जाता रहा है। पारंपरिक व्यवस्था में बिना किसी रसायन और कीटनाशक के जरिए की जाने वाली खेती के जरिए हर गांव तकरीबन स्वावलंबी होता था। आदर्श गांव उसे माना जाता था, जो अपनी आवश्यकता की सारी चीजें खुद उत्पादित करता था। उन दिनों ज्यादातर गांव कपड़े और नमक के लिए बाहरी बाजार पर निर्भर थे। गांधी जी ने भी भारत के भावी गांवों को लेकर हिंद स्वराज में ऐसी ही सोच रखी थी। इसे दुर्भाग्य कहें या अंतर्राष्ट्रीय कुचक्र, हजारों साल के सांस्कृतिक और प्राकृतिक अनुभव वाले अपने गांव भी रासायनिक खेती के कुचक्र में फंस गए। रासायनिक खेती का दुष्प्रभाव यह है कि हर साल इस खेती के लिए पिछले साल की तुलना में खाद और कीटनाशक की मात्रा बढ़ानी पड़ती है। इन फसलों की सिंचाई के लिए पानी की खपत भी बढ़ती जाती है। हरित क्रांति का प्रतीक रहा पंजाब तो इस खेती के दुष्प्रभावों को झेल भी रहा है। रसायन केंद्रित खेती का ही असर है कि पंजाब का भूजल स्तर तकरीबन पूरे राज्य में चार सौ से ज्यादा फीट नीचे जा चुका है। पंजाब कैंसर रोगियों के बड़े केंद्र के रूप में उभरा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि आज की जीवनशैली आधारित बीमारियां मसलन हाई ब्लड प्रेशर,

मधुमेह, मोटापा की वजह रासायनिक खाद के जरिए उपजाई जाने वाली सब्जियां और अनाज हैं। अब तो जानकार भी मानते हैं कि भारतीय खेती में हर साल करीब एक लाख करोड़ मूल्य के जिन कीटनाशकों का प्रयोग हो रहा है, उसकी वजह से दूध भी रासायनिक प्रदूषण का शिकार हो चुका है। कुछ किसानों ने मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर भूमि संरक्षण और सुपोषण अभियान चलाने की तैयारी की है। 13 अप्रैल से शुरू हुआ यह अभियान आषाढ़ पूर्णिमा यानी 21 जुलाई, 2021 तक चलेगा। अक्षय कृषि परिवार के बैनर तले चलाए जाने वाले इस अभियान का मकसद देश भर के किसानों को पारंपरिक खेती की तरफ जागरूक करना और मिट्टी की जैविक शक्ति को बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अध्ययन के हवाले से संजीव कुमार कहते हैं कि गाय के गोबर में मिट्टी में जीवाणुओं के बढ़ाने की जबरदस्त ताकत होती है। किसानों का सुझाव है कि मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए सरकार को चाहिए कि हर किसान को एक गोवंश के पालन का सुझाव और सहयोग देना चाहिए। इन किसानों का कहना है कि पक्षियों की बीट से जमीन की फास्फोरस की कमी पूरी होती रही है। किसानों को डर है कि अगर वे रासायनिक खेती छोड़ देंगे तो उनकी उपज घट जाएगी। ऐसा शुरू के एक-दो साल तक ही होगा। बाद में जैसे-जैसे मिट्टी की जैविक ताकत बढ़ती जाएगी, वैसे-वैसे उपज भी बढ़ती जाएगी। फिर कीटनाशकों, खादों और जेनेटिक बीजों पर होने वाले भारी खर्च की बचत भी होगी। इसलिए जरूरी है कि किसानों के मन से रासायनिक खेती को लेकर बने भ्रम और कुदरती खेती को लेकर जमी आशंका को दूर किया जाए।

आज का राशिफल

मेष	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
वृषभ	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।
मिथुन	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।
कर्क	पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
सिंह	व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
तुला	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।
वृश्चिक	आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मकर	राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।
कुम्भ	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
मीन	कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

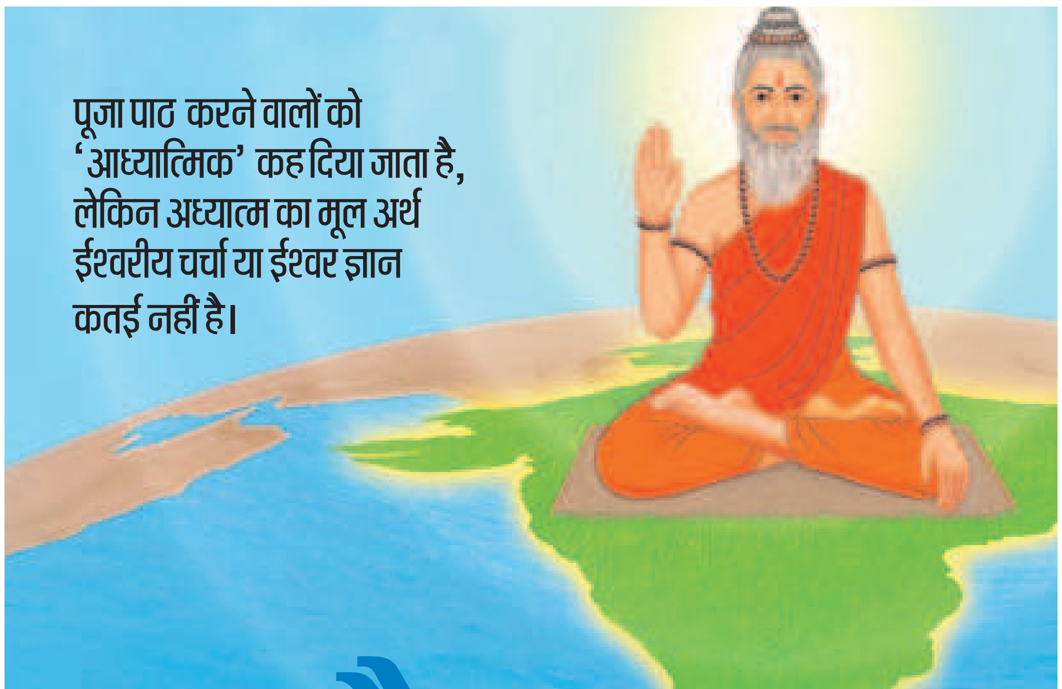

पूजा पाठ करने वालों को 'आध्यात्मिक' कह दिया जाता है, लेकिन अध्यात्म का मूल अर्थ ईश्वरीय चर्चा या ईश्वर ज्ञान कतई नहीं है।

क्या है अध्यात्म

गीता के अध्याय 8 की शुरुआत अर्जुन के प्रश्नों से होती है, पूछते है 'हे पुरुषोत्ताम! वह ब्रह्म क्या है? अध्यात्म क्या है? और कर्म के माने क्या है?

(अध्याय 8 श्लोक1, लोकमान्य तिलक का अनुवाद, गीता रहस्य पृष्ठ 489)

मूल श्लोक है ' किं तद् ब्रह्मं किम् अध्यात्मं किं कर्म पुरुषोत्ताम'।

प्रश्न सीधा है। यहां ब्रह्म की जिज्ञासा है, ब्रह्म ईश्वरीय जिज्ञासा है।

अध्यात्म ईश्वर या ब्रह्म चर्चा से अलग है। इसीलिए अध्यात्मक का प्रश्न भी अलग है।

कर्म भी ईश्वरीय ज्ञान से अलग एक विषय है। इसलिए कर्म विषयक प्रश्न भी अलग से पूछा गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं

'अक्षरं ब्रह्म परमं, स्वभावों अध्यात्म उच्यते '

परम अक्षर अर्थात् कभी भी नष्ट न होने वाला तत्व ब्रह्म है और प्रत्येक वस्तु का अपना मूलभाव (स्वभाव) अध्यात्म है।

'परम अक्षर (अविनाशी) तत्व ही ब्रह्म है। स्वभाव अध्यात्म कहा जाता है।' (गीता नवनीत, पृष्ठ 175)

पारलौकिक विश्लेषण या दर्शन नहीं

अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है ' 'स्वयं का अध्ययन-अध्ययन-आत्म।

विद्वतजनों ने अध्यात्म की सुसंगत व्याख्या की है, 'इसका तात्पर्य यह है कि जो अपना भाव अर्थात् प्रत्येक जीव की एक-एक शरीर में पृथक पृथक सत्ता है, वही अध्यात्म है।

समस्त सृष्टिगत भावों की व्याख्या जब मनुष्य शरीर के द्वारा (शारीरिक संदर्भ लेकर) की जाती है तो उसे ही अध्यात्म व्याख्या कहते हैं।

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं

'स्वभावो अध्यात्म उच्यते'

स्वभाव को अध्यात्म कहा जाता है।

बड़ा प्यारा है 'स्व '

स्व शब्द से कई शब्द बने हैं। 'स्वयं' शब्द इसी का विस्तार है। स्वार्थ भी इसी का हितैषी है। स्वानुभूति अनुभव विषयक 'स्व' है। सभी प्राणी मरणशील हैं, जब तक जीवित हैं, तब तक स्व हैं, तभी तक सुख हैं, संसार है, जिज्ञासाएं हैं, प्रश्न हैं। विज्ञान और दर्शन के अध्ययन है। प्रत्येक 'स्व' एक अलग इकाई है।

स्व की अपनी काया देह है, अपना मन है, बुध्दि है, विवेक है, दृष्टि है विचार हैं। इन सबसे मिलकर भीतर एक नया जगत् बनता है। इस भीतरी जगत् की अपनी निजी अनुभूति है, प्रीति और रीति भी है।

अपने प्रियजन हैं, अपने इष्ट हैं। इन सबसे मिलकर बनता है 'एक भाव' इसे 'स्वभाव' कहते हैं।

स्वभाव नितांत निजी वैयक्तिक अनुभूति होता है लेकिन स्वभाव की निर्मिति में मां, पिता, मित्र परिजन और सम्पूर्ण समाज का प्रभाव पड़ता है। स्वभाव निजी सत्ता और प्रभाव बाहरी। जब स्वभाव प्रभाव को स्वीकार करता है, प्रभाव घुल जाता है, स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। इसका उल्टा भी होता है, लेकिन बहुत कम होता है।

निजता को बचाने की इच्छा होती है स्वभाव में

निजता की रक्षा के प्रति अतिरिक्त सुरक्षा भाव भी होता है। निजता की रक्षा, निजता के प्रति विशेष संरक्षण सतर्क भाव ही 'स्वाभिमान' कहलाता है।

स्वाभिमान, स्वभाव, स्वार्थ और स्वयं की विशिष्टता के कारण ही स्वभाव पर प्रभाव की जीत नहीं होती। बेशक स्वभाव पर दबाव के कारण प्रभाव पड़ते है, स्वभाव तो भी बना रहता है।

'स्वभाव' अजर और अमर नहीं

स्वभाव वह एक इकाई है, एक दैहिक सत्ता (शरीर) है। विकास के क्रम में स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान का भी विकास होता है। कोरे निजी हित के स्वभाव वाले 'स्वार्थी' भी परिवार हित में निज स्वार्थ छोड़ते हैं।

'स्व' का भौगोलिक क्षेत्र

पहली परिधि और सीमा यह शरीर है। इसका स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान होता है। इसी का विस्तार ग्राम, राष्ट्र, विश्व के मनुष्य हैं। फिर सभी कीट पतंगो और वनस्पतियों को भी शामिल किया जा सकता है।

यहां स्व का भौगोलिक क्षेत्र बढ़ा है। फिर सूर्य, चन्द्र, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश सहित समूचे ब्रहमाण्ड तक विस्तार होता है।

तुलसीदास ने 'परहित' को धर्म कहा- परहित सरिस धर्म नहि भाई।

यहां परहित स्वहित से बड़ा है। इसी तरह परहित से राष्ट्रहित, राष्ट्र हित से विश्वहित बड़ा है। लेकिन स्वार्थ तो भी है। स्व की सीमांए विश्व तक व्याप्त हो गई है, लेकिन अंतिम समूची मंजिल में ब्रहमाण्ड भी शामिल होता है। यहां स्व की सीमांए टूट जाती हैं।

यही स्व चरम पर पहुंचा और परम हो गया। इसी स्वार्थ का नाम अब परमार्थ होगा। स्वभाव भी अब परमभाव कहलाएगा।

कोरी ईश्वरीय चर्चा नहीं है अध्यात्म

अध्यात्म 'स्वभाव' को जानने की कैमिस्ट्री है। यह मानव मन की परतों का अजब गजब रासायनिक विश्लेषण है।

वृहदारण्यक उपनिषद् (2.3.4) में कहते हैं 'अध्यात्म का वर्णन किया जाता है 'अथ अध्यात्म मिदमेव'।

अर्थात् जो प्राण से और शरीर के भीतर आकाश से भिन्न है, यह मूर्त के, मर्त्य के इस सत् के सार हैं।

यहां अध्यात्म का विषय प्राण और आकाश को छोड़कर बाकी देह है।

शंकराचार्य के भाष्य के अनुसार 'आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: '

आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: ' अर्थात् आध्यात्मिक।

कहीं आपका पैसा न बहा ले जाए

घर के नल का टपकता पानी

इस युग में जहां हर कोई अपने घर का निर्माण और साज- सज्जा आधुनिक तौर पर करता है, वहीं इस बात का भी ध्यान रखता है कि किस चीज को कहां व्यवस्थित करनी है और किस वस्तु को कैसे उपयोग करना है। आइए जानते हैं कि किन -किन वस्तुओं का कैसे रखना है-

टपकते नल को ठीक कराएं- फेंगशुई में जल को संपत्ति माना गया है। यदि आपके घर का कोई भी नल लगातार टपक रहा हो तो उसकी तुरंत मरम्मत कराएं, क्योंकि ऐसा लगातार होना आपको आर्थिक क्षति पहुंचा सकता है।

घर में उत्तर दिशा को फूलों से सजाएं - आपके घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से संबंधित है। इस क्षेत्र में सफेद रंग के कृत्रिम फूलों से भरा हुआ लोहे अथवा स्टील का फूलदान रखिए। इससे यह क्षेत्र समृद्ध होगा।

लाल रंग के बॉर्डर में फोटो मढ़वाएं- दक्षिण दिशा का तत्व अग्नि है और उससे जुड़ी है प्रसिद्धि। लाल रंग अग्नि का प्रतीक है। आप लाल रंग के बॉर्डर में अपना कोई अच्छा सा फोटो मढ़वाएं और दक्षिण क्षेत्र में लगाएं। आपकी प्रतिष्ठा और साख बढ़ाने का यह अच्छा उपाय है।

उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें- अपने घर की उत्तर-पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीकस्वरूप ग्लोब रखें। इससे शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है।

चीनी सिक्कों का करें उपयोग- धन संबंधी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का उपयोग बहुत प्रभावशाली है। तीन सिक्कों को लाल रिबन में या लाल धागे में बांधकर अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपकी होने वाली आय का प्रतीक है। इन सिक्कों को उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है। लाल धागा इन सिक्कों को सक्रिय करता है और उसमें से यांग ऊर्जा उत्पन्न होती है।

इच्छा और शक्ति

जीवन-ऊर्जा का मूल तत्व है और इसी से जीवन द्वारा ज्ञान और प्रेम की सर्वोच्चता स्वीकार नहीं करने का औचित्य व्यक्त होता है। प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है। किसी अस्वीकार्य वस्तु अथवा स्वभावत: भ्रष्ट करने वाली और बुराई की ओर ले जाने वाली चीज के रूप में शक्ति की निन्दा करना संस्कारबद्ध या धार्मिक मन की गलती है। भले ही बहुत से उदाहरण देकर इस मान्यता का औचित्य स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह एक अंधविश्वास और अविवेकपूर्ण मान्यता ही है। शक्ति का भ्रष्ट तरीके से इस्तेमाल और दुरुपयोग भले ही किया जाता हो, जैसा कि प्रेम और ज्ञान का भी किया जाता है, लेकिन वह दिव्य है और यहां उसे दिव्य उपयोग के लिए ही प्रदान किया गया है। शक्ति, इच्छा-शक्ति संसार को गतिशील रखने वाला दिव्य तत्व है और चाहे वह ज्ञान-शक्ति हो या प्रेम-शक्ति, जीवन-शक्ति हो या कर्म-शक्ति अथवा शारीरिक-शक्ति, अपने उद्गम में यह हमेशा आध्यात्मिक है और इसका चरित्र दिव्य है। अज्ञान में उसका उपयोग करने की बजाय अंत:प्रेरणा, जो कि अनंत और शाश्वत सत्ता की लय में कार्य करती है, के मार्गदर्शन में उसका उच्चतर सहज कर्म अथवा विशिष्ट कर्म के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

दुनिया को चाहिए सच्चा मनुष्य

श्री अरविन्द

- उच्च स्तर की अनुभूति हासिल करने के लिए मन के पार चेतना का उत्कर्ष होना आवश्यक है। इस उत्कर्ष के साथ अथवा इसके परिणामस्वरूप स्वयंभू सत्य का गतिशील अवतरण होना भी जरूरी है, जो कि मन से ऊपर सदा ही स्वयमेव प्रकाशित, शाश्वत रूप से, जीवन एवं पदार्थ की अभिव्यक्ति से पूर्व की स्थिति में विद्यमान रहता है।
- मन केवल खंडों में प्राप्त सत्य के अंशों को एक साथ जोड़कर उसे एक इकाई के रूप में सामने ला सकता है। मन का सत्य केवल अर्ध-सत्य अथवा किसी पहेली का एक अंश भर है। मानसिक ज्ञान हमेशा ही तुलनात्मक, आंशिक एवं अपूर्ण होता है और उससे प्रेरित कर्म और सृजन तो उससे भी अधिक दुविधापूर्ण और सीमित दायरे में आबद्ध रहता है और वह अपूर्ण अंशों के जोड़ से निर्मित होता है। जब हम इस सीमा को पार कर अधिक व्यापक प्रकाशमान चेतना एवं आत्म-ज्ञान के जगत में प्रवेश करते हैं, जहां दिव्य सत्य हमेशा ही स्थित रहता है, तब ही हमें अपने परम अस्तित्व और उसकी शक्तियों एवं कार्यों के अविनाशी एकीकृत सत्य के रहस्य का पता चल पाता है।
- अंत: प्रज्ञा की शक्ति अविकसित अवस्था में अधिकांशत: अस्पष्ट एवं आसक्त रूप से कार्य करती है अथवा तर्क एवं सामान्य बुद्धि के कार्य से प्राय: आच्छादित रहती है। जब तक यह स्पष्ट और स्वतंत्र रूप से कार्य करने नहीं लगती है, तब तक यह अनियमित, आंशिक, खंडित और आकस्मिक रूप से ही कार्य करती है। यह द्रुत प्रकाश की तरह अचानक कौंध कर कोई सुस्पष्ट सुझाव दे जाती है अथवा अत्यंत उपयोगी संकेत कर जाती है अथवा उससे संबंधित सहज बोध, द्युतिमान विवेक, अंत:प्रेरणा अथवा इलहाम को जगा जाती है और तर्क, इच्छा, मानसिक बोध या बुद्धि को हमारे अस्तित्व की गहराइयों या ऊंचाइयों से आए इस मदद के बीज का समुचित उपयोग करने के लिए छोड़ देती है।
- मन की उच्चतर स्थिति तब तक संपूर्ण अथवा निर्विकार नहीं हो सकती, जब तक कि क्षुद्र बुद्धि का विसर्जन नहीं हो जाता अथवा यह अपने ही अंतर्विकारों से मुक्त नहीं हो जाता। हमें बुद्धि और बौद्धिक कामना तथा अन्य क्षुद्र-क्रिया व्यापारों को पूरी तरह से नि:स्वर कर देना पड़ेगा और केवल अंत:प्रज्ञा से प्रेरित कर्म को ही सक्रिय होने का अवसर देना होगा अथवा अपने निकृष्ट कर्मों पर नियंत्रण रखते हुए उन्हें अंत:प्रज्ञा की सतत निगरानी में रूपांतरित करना होगा।
- वह शक्ति हासिल करने की कामना नहीं करनी चाहिए, जो तुम्हें अपने अधीन रखे, जो सब कुछ अपने मन के प्रयास से करने के बजाय किसी बाहरी शक्ति के द्वारा करवाने की क्षमता पर तुमको निर्भर बनाए।
- प्रज्ञावान मानस पहले की तुलना में केवल अधिक शक्तिशाली और अधिक दैदीप्यमान ही नहीं होगा, बल्कि वह उसी व्यक्ति के सामान्य मन के विकास से पूर्व की क्षमता से बहुत अधिक व्यापक संचालन शक्तियों से संपन्न भी होगा। इसलिए विकासशील अथवा विकसित सहज मन को बाह्य कुप्रभावों एवं अंतर्विकारों से हो सकने वाली किसी क्षति से बचाने के लिए सतत् सजग रहना होगा और मन को धीरे-धीरे संपूर्णत: अंत:प्रज्ञा से ओतप्रोत कर लेना होगा।
- प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।
- हमारा व्यक्तिगत मानस वास्तविक आत्मा नहीं है। व्यक्तिगत मानस तो केवल एक रूप, एक आकृति भर है। जबकि हमारी वास्तविक आत्मा विराट, अनंत, सर्वव्यापी और सर्वाधार है। हमारे मन, जीवन एवं शरीर के मूल में जो आत्मा है, वही आत्मा सभी जीवों के मन, जीवन एवं शरीर के मूल में भी है। जब कभी हम उसके साथ एकरूप होते हैं तो उसके बाद पुन: जब हम उन जीवों की ओर देखते हैं तो चेतना के धरातल पर सभी एकाकार नजर आते हैं। यह सच है कि मन इस तरह की एकरूपता में बाधा डालता है। लेकिन सत्य को सीमित और खण्डित रूप में देखने की मन की प्रवृत्ति के बावजूद उसको एकात्मकारी सत्य की लय में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसलिए हमें ध्यान और एकाग्रता के द्वारा वस्तुओं एवं जीवों को भिन्न-भिन्न समझने की प्रवृत्ति को रोकने तथा सर्वत्र सभी चीजों की एकात्मकता के बोध का अभ्यास करना चाहिए।
- मानव का हृदय और मानस जीवन-उद्दीपनों के तंतुओं से गुंथी भावनाओं एवं आत्मा की तरंगों के मिले-जुले रंगों से बनी एक अनोखी चीज है, जिसमें अच्छी-बुरी, सुखद-दुखद, संतोषजनक, असंतोषजनक, कोलाहल, शांति, उद्वेलन-उदासीनता सभी समाए रहते हैं। जब तक यह बाह्य प्रभावों के कारण विक्षुब्ध और तरंगायित होता रहता है, तब तक वास्तविक शांति और शक्तियों की पूर्णता से यह अपरिचित रहता है। पवित्रता के द्वारा, समत्व के द्वारा, ज्ञान के प्रकाश के द्वारा और कामनाओं की समरसता के द्वारा उसे घनीभूत शांति एवं परिपूर्णता की स्थिति में लाया जा सकता है। इस परिपूर्णता के दो आयाम होते हैं। एक तरफ यह मधुर, मुक्त, मृदु, शांत और स्पष्ट होता है तो दूसरी तरफ उसमें दृढ़ता, प्रबलता और तीव्रता जैसे गुण भी होते हैं। दिव्यावस्था में सामान्य मानव के चरित्र और कर्म में भी हमेशा ये दो आयाम उभर कर सामने आ जाते हैं – मधुरता और दृढ़ता, मृदुता और शक्ति, सौम्य और रौद्र, सहनशीलता और समरसता, चेतना और प्रेरणा।
- हम जो हैं और हो सकते हैं, वह हमारे उस तरह के विश्वास और वैसा होने की इच्छा के कारण है, क्योंकि विश्वास महानतर सत्य की ओर अग्रसर एक इच्छामात्र है और वह हमारी संभावनाओं की कोई सीमा नहीं बांधता अथवा हमारी आत्मा के सर्वशक्तिमान होने की संभावना, जो मानव शरीर में क्रियाशील दिव्य शक्ति है, से इन्कार नहीं करता।

बैंक ग्राहकों की प्राइवेसी और डेटा सुरक्षा की कीमत पर समझौता नहीं: आरबीआई डिप्टी गवर्नर

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने कहा है कि बैंकों में प्रौद्योगिकीय नवोन्मेष महत्वपूर्ण है लेकिन यह ग्राहकों की निजता और डेटा सुरक्षा की कीमत पर आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। राव ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसिज (टीसीएस) द्वारा ब्राजील स्थित भारतीय दूतावास के साथ मिलकर खुली बैंकिंग पर 14 अप्रैल को आयोजित एक वेबिनार में कहो कि हमें अपने ग्राहकों को यह विश्वास दिलाना होगा कि उनके साथ होने वाली वित्तीय लेनदेन में उनकी पूरी जानकारी और आंकड़े सब कुछ सुरक्षित है। इसके लिए नवोनमेष और नियमन दोनों को एक साथ चलना होगा। खुली बैंकिंग से तात्पर्य यहां ग्राहक की उनसे अनुमति प्राप्त आंकड़ों को किसी तीसरे पक्ष के साथ साझा करने से है। तीसरे पक्ष यहां उन कंपनियों के बारे में कहा गया है जो कि खाताधारकों को बेहतर वित्तीय पारदर्शिता विकल्प, मार्केटिंग और क्रास-सेलिंग अवसर आदि उपलब्ध कराती हैं। यह काम वह ऐप बनाकर अथवा दी जाने वाली सेवाओं के जरिए करती हैं। राव ने इस अवसर पर कहा कि सभी पक्षकार इस बात को समझेंगे कि जहां एक तरफ प्रौद्योगिकीय नवोन्मेष काफी महत्वपूर्ण हैं वहीं ग्राहकों कनि निजता और डेटा सुरक्षा को लेकर भी कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। देश में आरबीआई और एनपीसीआई ने मिलकर यूपीआई जैसी एक भुगतान प्रणाली तैयार की है और इसकी ऐप को बैंकों और तीसरी पक्ष के एप प्रदाताओं के लिए जारी किया है।

बीते वित्त वर्ष में यात्री वाहनों का निर्यात 39 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली । कोरोना महामारी की वजह से बीते वित्त वर्ष 2020-21 में देश से यात्री वाहनों का निर्यात 39 प्रतिशत कम हो गया है। बीते वित्त वर्ष में निर्यात में गिरावट मुख्य रूप से पहली छमाही के दौरान आई। महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन और अन्य लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों की वजह से यात्री वाहनों का निर्यात प्रभावित हुआ। हालांकि उद्योग ने दूसरी छमाही में निर्यात को बेहतर करने का प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद निर्यात का आंकड़ा इससे पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले काफी कम रहा। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के अनुसार बीते वित्त वर्ष में यात्री वाहनों का निर्यात 38.92 प्रतिशत घटकर 4,04,400 इकाई रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में यात्री वाहनों का निर्यात 6,62,118 इकाई रहा था। वित्त वर्ष के दौरान यात्री कारों का निर्यात 44.32 प्रतिशत घटकर 2,64,927 इकाई रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 4,75,801 इकाई रहा था। इसी तरह यूटिलिटी वाहनों का निर्यात 24.88 प्रतिशत घट गया। वैन का निर्यात 42.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,648 इकाई रह गया।

चेन्नई संयंत्र का उत्पादन बढ़ाएगी निसान

नई दिल्ली । जापान की वाहन कंपनी निसान एसयूवी मैग्नाइट की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने चेन्नई संयंत्र का उत्पादन जुलाई तक बढ़ाकर 3,500 इकाई प्रतिमाह करेगी। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मैग्नाइट की बुकिंग 50,000 इकाई को पार कर गई है। बीते वित्त वर्ष 2020-21 में निसान मोटर इंडिया की कुल बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 18,886 इकाई पर पहुंच गई, जो 2019-20 में 17,831 इकाई रही थी। कंपनी चालू वित्त वर्ष में तीन अंकीय वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रही है। हालांकि, कोविड की दूसरी लहर और सेमी-कंडक्टर की आपूर्ति में दिक्कतें कंपनी के लिए चुनौती हैं। कंपनी ने पिछले साल दिसंबर में चेन्नई संयंत्र में तीसरी पाली के साथ उत्पादन बढ़ाने के लिए 1,000 लोगों की नियुक्ति की घोषणा की थी। निसान मोटर इंडिया ने कहा कि फरवरी से हमने तीसरी पाली में काम शुरू कर दिया है। अब हम उत्पादन बढ़ा रहे हैं। हमारा विश्वास है कि आगे चलकर हम उत्पादन के इस आंकड़े को हासिल कर पाएंगे। अभी कंपनी का उत्पादन प्रतिमाह 2,700 इकाई है। अगले तीन माह में हम इसे बढ़ाकर 3,500 इकाई मासिक करेंगे। यह अभी योजना है, लेकिन सेमीकंडक्टर की कमी और कोरोना की वजह से इस लक्ष्य में चुनौती आने की संभावना है।

कॉफी- डे शेयरों में 26 से फिर होगा कारोबार

नई दिल्ली । कर्ज के बोझ का सामना कर रही कंपनी कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड (सीडीईएल) ने कहा कि उसके शेयरों का बाजार में लेन-देन 26 अप्रैल से फिर शुरू हो जाएगा। कंपनी ने शेयर बाजार बीएसई को दी एक नियामकीय सूचना में यह घोषणा की। उपरोक्त तिथि से बीएसएई और एनएसई दोनों मंच पर कंपनी का शेयर कारोबार के लिए उपलब्ध हो जाएगा। शेयर बाजारों ने इस शेयर की खरीद बिक्री पर रोक लगा दी थी क्योंकि कंपनी अपनी तिमाही वित्तीय रिपोर्ट नहीं दे रही थी। रिपोर्ट न जमा कराना सूचीबद्धता नियमों के खिलाफ है। बाजारों ने इस साल 13 जनवरी को कहा था कि सीडीईएल ने जून 2019 और सितंबर 2019 तिमाही के परिणाम नहीं जमा कराए थे, न ही भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रावधान के उल्लंघन पर दंड चुकाया था। कंपनी ने इस महीने कहा था कि वह बैंकों और वित्तीय संस्थाओं से लिए गए कर्ज के ब्याज और मूल धन का भुगतान करने में चूक गई है। उस पर वित्तीय संस्थानों का 280 करोड़ रुपए का ऋण बकाया है।

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड का मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने कहा कि 31 मार्च 2021 को समाप्त चौथी तिमाही में उसका मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 346 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछले साल कंपनी का चौथी तिमाही मुनाफा 282 करोड़ रुपए रहा था। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने कहा है कि जनवरी से मार्च 2021 की तिमाही में कंपनी की सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम आय (जीडीपीआई) 3,478 करोड़ रुपए रही है जो कि एक साल पहले इसी अवधि में 3,181 करोड़ रुपए रही थी। पूरे वित्त वर्ष 2020- 21 की यदि बात की जाए तो इस दौरान कंपनी का कर भुगतान बाद मुनाफा एक साल पहले के मुकाबले 23.4 प्रतिशत बढ़कर 1,473 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछले साल यह 1,194 करोड़ रुपए रहा था। पूरे वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की जीडीपीआई 14,003 करोड़ रुपए रही है जो कि 2019- 20 में 13,313 करोड़ रुपए रही थी। कंपनी ने 31 मार्च 2021 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए अपने शेयरधारकों को 10 रुपए अंकित मूल्य के शेयर पर चार रुपए प्रति शेयर की दर से अंतिम लाभांश देने की घोषणा की है।

भारत से औषधियों का निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 18 प्रतिशत बढ़ा

हैदराबाद (एजेंसी) ।

पिछले वित्त वर्ष 2020- 21 में भारत से औषधियों का निर्यात 24.44 अरब डालर के बराबर रहा जो इससे एक साल पहले के मुकाबले 18 प्रतिशत से भी अधिक है। वर्ष 2019- 20 में यह निर्यात 20.58 अरब डालर के बराबर था। भारत से दवाओं के निर्यात में यह उछाल ऐसे समय दिखा है जबकि वैश्विक बाजार में हल्का संकुचन रहा। भारतीय औषधि निर्यात संवर्धन परिषद (फार्मेक्सिल) के एक अे धिकारी ने कहा` कि मार्च, 2021 में हमने अपने निर्यात में तेज उछाल देखा और यह 2.3 अरब डालर (अनंतिम आंकड़े) रहा। मार्च का निर्यात वित्त वर्ष के दौरान किसी भी माह की तुलना में सर्वाधिक है। मार्च माह की वृद्धि दर एक साल पहले के इसी माह की तुलना में 48.5 प्रतिशत रही। मार्च 2020 में निर्यात 1.54 अरब डालर था। बयान में कहा गया है कि पिछले वर्ष मार्च में लाकडाउन लागू होने से निर्यात पर असर पड़ा था। वर्ष 2020 में वेश्विक औषधि बाजार में एक से दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत वर्ष के दौरान भारत से औषधियों की मांग में तेज बढ़ोतरी देखी गई। भारत की दवाओं की गुणवत्ता और इनके मूल्य की व्यावहारिकता के चलते इनकी मांग में तेजी रही। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत से वैक्सीन के निर्यात में अच्छी वृद्धि होने की संभावना दिख रही है। इसी तरह भारत सरकार की उत्पादकता आधारित प्रोत्साहन योजना से औषधि क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम होगी और निर्यात का आधार मजबूत होगा। उत्तर अमेरिका भारत की औषधियों के लिए निर्यात का सबसे बड़ा बाजार है। वर्ष के दौरान निर्यात में इस बाजार का हिस्सा 34 प्रतिशत रहा। उसके बाद दक्षिण अफ्रीकी बाजार का स्थान है। वहां के निर्यात में 28 प्रतिशत और यूरोपीय बाजार में निर्यात 11 प्रतिशत की दर से बढ़ा।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने दिन की बैलेंस लिमिट को 2 लाख रुपये तक किया

नई दिल्ली (एजेंसी) .

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिर्देशों के अनुसार, एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने रविवार को घोषणा की कि वह देश में पहला भुगतान बैंक बन गया है, जो 2 लाख रुपये दिन की लिमिट कर दी है।बैंक ने एक दिन की बैलेंस लिमिट को 1 लाख से बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दिया है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक की एमडी और सीईओ अनुब्रत बिस्वास ने कहा, आरबीआई का बैलेंस लिमिट बढ़ाने का फैसला पेमेंट्स बैंकों की वित्तीय और डिजिटल समावेशन को भारत में आगे बढ़ाने में मदद करने का फैसला है। बिस्वास ने कहा, एयरटेल पेमेंट्स बैंक में हमने हमेशा माना है कि सबसे ज्यादा बैलेंस लिमिट भुगतान बैंकों के उपभोक्ता के इस्तेमाल को बढ़ाएंगी, साथ ही औपचारिक बैंकिंग तक आसानी से पहुंचने के लिए अनौपचारिक भारत के बड़े वर्गों, जैसे छोटे व्यापारियों को सक्षम करेंगी।बैंक डिपॉजिट्स को डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (डीआईसीजीसी) के तहत बीमा किया जाता है, जो आरबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।एयरटेल पेमेंट्स बैंक के 55,00,000 उपयोगकर्ता हैं और उन्हें प्रौद्योगिकी और एक खुदरा-आधारित वितरण नेटवर्क के माध्यम से सेवा प्रदान करता है। एयरटेल बैंक ने 5,00,000 पड़ोसी बैंकिग प्वाइंट्स के साथ अपना मजबूत नेटवर्क बना लिया है, जो भारत में सभी बैंक ब्रांचों और एटीएम से ज्यादा हैं।

क्रोम 90 के लिए लिंक साझा करने का नया फीचर लेकर आया गूगल

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने क्रोम 90 के लिए एक फीचर का रोलआउट शुरू कर दिया है, जो यूजर्स को एक लिंक क्रिएट करने की अनुमति देगा, जो लोगों को आपके द्वारा हाइलाइट किए गए पेज का हिस्सा बनने में मदद करेगा।इनगैजेट ने शनिवार को जारी अपनी रिपोर्ट में बताया कि तकनीकी दिग्गज ने पिछले साल इसे एक एक्सटेंशन के रूप में लॉन्च किया था। इसलिए अब चूंकि यह आधिकारिक तौर पर क्रोम का ही हिस्सा है, इसलिए आपको इसे इस्तेमाल करने के लिए कुछ भी अतिरिक्त इंस्टॉल नहीं करना पड़ेगा। यह सुविधा उन छात्रों और सहकर्मियों के लिए बहुत उपयोगी हो सकती है, या यहां तक कि सिर्फ उन लोगों के लिए भी काफी लाभदायक हो सकती है, जो अपने दोस्तों के साथ कोई भी रेंडम चीज को साझा करना पसंद करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आईओएस यूजर्स के लिए गूगल का कहना है कि कॉपी लिंक टू हाइलाइट प्लेटफॉर्म के लिए जल्द ही पेश किया जाने वाला है। गूगल ने ब्राउजर के लिए एक नया पीडीएफ व्यूवर भी लॉन्च किया है, जो टू-पेज व्यू और एक नया टूलबार पेश करता है, जो आपको एक ही क्लिक पर जूम करने, पेज पर पहुंचने, सेव और प्रिंट करने की अनुमति देता है। इससे पहले गूगल ने फरवरी में एक नया अपडेट भी शुरू किया था, जिसमें स्विचिंग टैब के लिए एक नया इंटरफेस और एंड्रॉएड ऐप के लिए ओपन वेब पेजों को व्यवस्थित करने में मदद करने के लिए एक नया टैब ग्रुपिंग फीचर शामिल है।

कोरोना ने बढ़ाई चिंता

ब्रोकरेज कंपनियों ने GDP वृद्धि दर अनुमान को घटाया

(एजेंसी):

कोविड-19 संक्रमण के दोबारा तेजी से फैलने के बीच प्रमुख ब्रोकरेज कंपनियों ने भारत के जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर के अनुमान को कम कर 10 प्रतिशत तक कर दिया है। इसका कारण स्थानीय स्तर पर लगाए जा रहे 'लॉकडाउन' के कारण आर्थिक पुनरूद्धार को लेकर जोखिम है। नोमुरा ने जहां चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 13.5 प्रतिशत से कम कर 12.6 प्रतिशत कर दिया है, वहीं जेपी मोर्गन ने अब 11 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है जो पहले 13 प्रतिशत था। यूबीएस ने जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 11.5 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत और सिटी ने इसे कम कर 12 प्रतिशत कर दिया है। भारत की जीडीपी वृद्धि दर पिछले साल की शुरूआत में आई माहामारी से पहले से घट रही थी। वित्त वर्ष 2016-17 में आर्थिक वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत थी जो अगले दो साल 2017-18 और 2018-19 में घटकर क्रमशः 6.8 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत पर आ गई। वहीं 2019-20 में यह कम होकर 4 प्रतिशत रह गई। कोविड-19 महामारी से प्रभावित वित्त वर्ष 2020-21 में आर्थिक वृद्धि दर में 8 प्रतिशत तक की गिरावट का अनुमान जताया है। पिछले वित्त वर्ष में कमजोर तुलनात्मक आधार के साथ चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर दहाई अंक में और अगले वित्त वर्ष 2022-23 में 6.8 प्रतिशत रहने की संभावना जताई गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2021-22 में जीडीपी वृद्धि दर 10.5 प्रतिशत रहने जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने 12.5 प्रतिशत की संभावना जताई है। यूबीएस ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को सालाना आधार पर 10 प्रतिशत (पूर्व में 11.5 प्रतिशत) करते हुए कहा, ''भारत में कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। रोजाना जो मामले आ रहे हैं, वे 2020 के उच्चतम स्तर का दोगुना से भी अधिक है। अगर आने वाले सप्ताह में वायरस को काबू में करने के प्रयास सफल रहते हैं, हमें लगता है कि पुनरूद्धार वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही से ही जोर पकड़ेगा। सिटी रिसर्च ने कहा कि हालांकि पिछले साल के मुकाबले पाबंदियां उतनी कड़ी नहीं है लेकिन कोविड मामले में तेजी से वृद्धि चिंता का कारण है। उसने कहा, ''कोविड-19 संक्रमण के मामले में महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली जैसे राज्यों से ज्यादा आ रहे हैं जो आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य हैं। पाबंदियों और धारणा को देखते हुए, हमने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 12 प्रतिशत (पूर्व में 12.5 प्रतिशत) कर दिया है। सिटी ने कहा कि अगर कोविड की स्थिति को नियंत्रण में नहीं लाया गया तो पिछले साल की तरह आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में कई संशोधन किए जा सकते हैं।

बीते वित्त वर्ष सोने का आयात 22.58 प्रतिशत बढ़कर 34.6 अरब डॉलर

नई दिल्ली । बीते वित्त वर्ष 2020-21 में सोने का आयात 22.58 प्रतिशत बढ़कर 34.6 अरब डॉलर (2.54 लाख करोड़ रुपए) पर पहुंच गया। सोने का आयात चालू खाते के घाटे (कैड) को प्रभावित करता है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार घरेलू मांग बढ़ने से सोने का आयात बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष के दौरान चांदी का आयात 71 प्रतिशत घटकर 79.1 करोड़ डॉलर रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में सोने का आयात 28.23 अरब डॉलर रहा था। सोने के आयात में बढ़ोतरी के बावजूद बीते वित्त वर्ष में देश का व्यापार घाटा कम होकर 98.56 अरब डॉलर रह गया। 2019-20 में यह 161.3 अरब डॉलर रहा था। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि घरेलू मांग बढ़ने से सोने का आयात बढ़ रहा है। अक्षय तृतीया तथा शादी-ब्याज के सीजन की वजह से सोने का आयात और बढ़ सकता है। इससे चालू खाते का घाटा भी बढ़ेगा। देश में विदेशी मुद्रा के आने और यहां से बाहर जाने का अंतर कैड कहलाता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा सोने का आयातक है। मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए सोने का आयात किया जाता है। बीते वित्त वर्ष में रत्न एवं आभूषणों का निर्यात 27.5 प्रतिशत घटकर 26 अरब डॉलर रह गया। मात्रा के हिसाब से भारत हर साल 800 से 900 टन सोने का आयात करता है। सरकार ने बजट में सोने पर आयात शुल्क 12.5 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है।

स्पाइसजेट से यात्रा के पांच दिन पहले बदलाव में नहीं लगेगा अतिरिक्त शुल्क

मुंबई (एजेंसी)।

निजी क्षेत्र की विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट यात्रियों से यात्रा से पांच दिन पहले तक टिकट की तारीख या समय में कराए परिवर्तनों के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेगी। पहले यह छूट कम से कम 7 दिन पहले कराए गए फेरबदल पर थी। स्पाइसजेट ने कहा है कि नई पेशकश के तहत 17 अप्रैल से 15 मई के बीच सीधी घरेलू उड़ानों की यात्रा के लिए 17 अप्रैल से 10 मई के बीच टिकट बुक कराने वाले यात्री एक बार शुल्क में छूट ले सकते हैं। महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे जगहों पर कोरोना संक्रमण के कारण आंशिक या पूर्ण लॉकडाउन लागू हो रहे हैं। एयरलाइने नहीं चाहती है कि यात्रियों को इसके कारण टिकट रद्द करना पड़े। इसीलिए वे यात्रा की तारीख और समय में निःशुल्क परिवर्तन कराने की छूट प्रस्तुत कर रही हैं। इससे पहले इंडिगो ने शुक्रवार को कहा था कि वह डोमेस्टिक फ्लाइट के टिकटों पर समय या तारीख बदलने के लिए कोई शुल्क नहीं लेगा। कंपनी 17 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2021 तक नई बुकिंग पर चेंज फीस माफ कर रही है। बढ़ते कोविड-19 मामलों के कारण विभिन्न राज्यों में लगाए गए लॉकडाउन की वजह से कंपनी ने ये फैसला किया है। कंपनी ने बताया है कि यात्री अब नियमित किराए पर 30 अप्रैल, 2021 तक की गई नई बुकिंग के लिए अनलिमिटेड बदलाव कर सकते हैं।

एलआईसी में अब शनिवार को नहीं होगा काम, सोमवार से शुक्रवार के बीच ही होगा कोई भी काम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जीवन बीमा निगम में नए नियम के आने के बाद अब शनिवार के दिन एलआईसी का कोई भी काम नहीं होगा। इस दिन एलआईसी भी एलआईसी की कोई पॉलिसी है और आपको कोई भी काम कराना है तो सोमवार से शुक्रवार के बीच ही किसी दिन में करना होगा। इस बदलाव से एलआईसी के लगभग एक लाख से ज्यादा कर्मचारियो को फायदा मिलेगा। इन कर्मचारियों का 1 अगस्त, 2017 से वेज रिविजन बकाया है।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच मिली हफ्ते में दो दिन की छुट्टी एलआईसी कर्मचारियों के लिए किसी खुशखबरी से कम नहीं है। यूनियन के नेताओं के साथ मीटिंग के बाद मैनेजमेंट इन बदलावों का फाइनल प्रपोजल सरकार के पास भेजेगा। वित्त मंत्रालय नोटिफिकेशन जारी करने से पहले इसमें बदलाव कर सकता है। केंद्र सरकार ने ये बदलाव नेगोशिएबल इंस्ट्रुमेंट्स एक्ट 1881 के सेक्शन 25 के तहत किया है। एलआईसी ने फेक कॉल को लेकर अपने ग्राहकों को आगाह किया है।

कंपनी ने बताया है कि कुछ जालसाज एलआईसी अधिकारी, एजेंट या आईआरडीए के अधिकारी बनकर ग्राहकों को फोन करते हैं और उनकी गोपनीय जानकारियां लेकर लूट करते हैं। ये लुटेरे बेहतर रिटर्न दिलाने के नाम पर पॉलिसी सरेंडर कराकर ग्राहकों से मोटी रकम वसूलते हैं। ग्राहक जो राशि सरेंडर करते हैं उसे दूसरी जगहों पर इन्वेस्ट कर दिया जाता है। इस तरह के लोगों से एलआईसी ने अपने ग्राहकों को सचेत कराया है।

बिजली की खपत अप्रैल के पहले पखवाड़े में 45 प्रतिशत बढ़कर 60.62 अरब यूनिट हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अप्रैल के पहले पखवाड़े में देश में बिजली की खपत पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 45 प्रतिशत बढ़कर 60.62 अरब यूनिट (बीयू) पर पहुंच गईं। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।इससे पता चलता है कि देश में बिजली की औद्योगिक और वाणिज्यिक मांग सुधर रही है। पिछले साल अप्रैल के पहले पखवाड़े (एक से 15 अप्रैल, 2020) के दौरान बिजली की खपत 41.91 अरब यूनिट रही थी। वहीं अप्रैल के पहले पखवाड़े के दौरान व्यस्त समय की बिजली की मांग पिछले साल की समान अवधि के 132.20 गीगावॉट से कहीं ऊंची रही। चालू महीने के पहले पखवाड़े में आठ अप्रैल, 2021 को व्यस्त समय की बिजली की मांग 182.55 गीगावॉट के उच्चस्तर पर पहुंच गई। यह पिछले साल अप्रैल में पूरे महीने में दर्ज 132.20 गीगावॉट से 38 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल अप्रैल में बिजली की मांग 2019 के समान महीने के 110.11 अरब यूनिट की तुलना में घटकर 84.55 अरब यूनिट पर आ गई थी। इसकी मुख्य वजह कोरोना वायरस की वजह से मार्च के आखिरी सप्ताह में लगाया गया लॉकडाउन था। इसके साथ ही पिछले साल अप्रैल में व्यस्त समय की बिजली की मांग एक साल पहले के 176.81 गीगावॉट से घटकर 132.20 गीगावॉट रही थी। विशेषज्ञों कहना है कि चालू महीने के पहले पखवाड़े में बिजली की ऊंची मांग पिछले साल की समान अवधि के निचले आधार प्रभाव की वजह से है। हालांकि, इससे स्पष्ट तौर पर वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियों में सुधार का संकेत मिलता है। हालांकि इसके साथ ही विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ने के बीच वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियां प्रभावित होने से आगामी दिनों में बिजली की मांग में गिरावट आ सकती है।

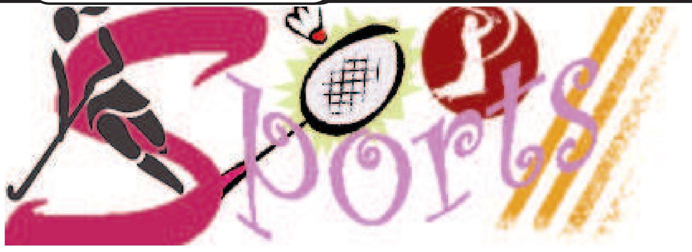

न्यू इन चैस क्लासिक - भारत के विदित और प्रग्गानंधा आएंगे नजर

नई दिल्ली (निकलेश जैन) मेल्टवाटर शतरंज चैंपियनशिप का छठा पड़ाव न्यू इन चैस क्लासिक मे पहली बार दो भारतीय खिलाड़ी एक साथ खेलते नजर आएंगे । भारतीय ओलंपियाड टीम के कप्तान विदित गुजराती एक बार फिर टूर मे वापस खेलते नजर आएंगे तो पहली बार 15 वर्षीय प्रग्गानंधा आर नें पहली बार अपनी जगह इस स्तर के टूर्नामेंट मे बनाई है । आपको बता दे की जूलियस बेर पोल्गर शतरंज का खिताब जीतकर प्रग्गानंधा नें इस टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह बनाई है । प्रग्गानंधा नॉर्वे के विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन के खिलाफ और विदित फीडे के अलीरेजा फिरौजा के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे । इन खिलाड़ियों के अलावा यूएस के लेवोन आरोनियन ,वेसली सो , लिनियर दोमिंगेज और हिकारु नाकामुरा , अजरबैजान के ममेद्यारोव शाकिरयार और तैमूर रद्जाबोव ,रूस के सेरगी कार्यकिन ,पोलैंड के जान डुडा ,नॉर्वे के आर्यन तारी और सेबेस्टियन कक्रिस्टेयन , वियतनाम के ले कुयांग लिम , इंग्लैंड के गाविन जोंस खेलते नजर आएंगे । प्रतियोगिता 24 अप्रैल से शुरू होगी

फुटबाल

बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 31वीं बार जीता कोपा डेल रे खिताब

बार्सिलोना (एजेंसी)।

कप्तान लियोनेल मेसी के शानदार दो गोल की बदौलत बार्सिलोना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एथलेटिक बिल्बाओ को 4-0 से हराकर रिकॉर्ड 31वीं बार कोपा डेल रे का खिताब जीत लिया। बार्सिलोना की इस सीजन का यह सबसे बड़ी खिताबी जीत है और इस जीत के साथ उसने जनवरी में स्पेनिश सुपर कप में एथलेटिक बिल्बाओ से मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया है। शनिवार को खेले गए इस फाइनल मुकाबले में रोनाल्ड कोएमैन की टीम ने शुरूआत से ही बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन टीम पहले हाफ में गोल दागने में विफल रही। हालांकि दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने बेहतर खेल दिखाया और चार गोल करते हुए चैम्पियन बनने का गौरव हासिल कर लिया। टीम के लिए पहला गोल हाल में तीसरी बच्ची का पिता बने एंटोनियो ग्रिजमैन ने 60वें मिनट में किया। इसके तीन मिनट बाद ही फ्रेंकी डी जोंग ने एक और गोल करते हुए बार्सिलोना को 2-0 से आगे कर दिया। बार्सिलोना ने फिर मेसी के 68वें और 72वें मिनट में किए गए दो गोल की बदौलत 4-0 से एकतरफा अंदाज में फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया। मेसी ने इस जीत के बाद कहा, इस क्लब का कप्तान बनना बहुत ही खास है, जहां मैंने अपनी जिंदगी का करीब आधा समय बिताया है। क्लब के लिए ट्रॉफी उठाना बेहद खास है। यह थोड़ा दुखद है कि हम फैंस के साथ इस जीत की खुशियां नहीं मना सकते। यह बदलाव का साल है क्योंकि काफी युवा टीम के साथ है और टीम काफी मजबूत बन चुकी है। 33 साल के अर्जेंटीना के मेसी का बार्सिलोना के साथ जारी करार सीजन के अंत में समाप्त होना है और ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि वह पेरिस सेंट जर्मेन या मैनचेस्टर युनाइटेड के साथ जुड़ सकते हैं। छह बार के बैलन डी ओर विजेता मेसी को लेकर कोच कोएमैन ने कहा, मुझे उम्मीद है कि बार्सिलोना के लिए उनका (मेसी का) अंतिम ट्रॉफी नहीं होगा। मुझे उम्मीद है कि वह हमारे साथ बने रहेंगे।

टेनिस : नागल बार्सिलोना ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंचने से एक कदम दूर

बार्सिलोना (एजेंसी)।

भारत के शीर्ष रैंकिंग के टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने एटीपी 500 बार्सिलोना ओपन के क्वालीफायर में यूक्रेन के इलिया मारचेंको को 3-6, 6-2, 7-5 से हराया और अब वह इस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में पहुंचने से एक कदम दूर रह गए हैं। 136वीं रैंकिग के नागल का मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए मुकाबला इटली के थॉमस फैबियानो से होगा। स्पेन के राफेल नडाल और स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर ने 11 बार बार्सिलोना ओपन का खिताब जीता है। नागल पिछले कुछ समय से यूरोप में खेल रहे हैं लेकिन उन्हें कुछ खास सफलता हासिल नहीं हुई है। उन्हें हाल ही में मोंटे कार्लो मास्टर्स के क्वालीफाईंग राउंड में इटली के स्टेफानो त्रावागलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा नागल को एटीपी 250 सरदेग्ना ओपन के शुरूआती दौर में स्लोवाकिया के क्वालीफायर जोजेफ कोवालिक से हार मिली थी।

किपचोगे ओलंपिक के लिए तैयार, जीता एंशेडे मैराथन

एंशेडे (नीदरलैंड)। ओलंपिक के गत विजेता और विश्व रिकॉर्ड होल्डर एथलीट केन्या के एलियुड किपचोगे ने एंशेडे मैराथन में जीत हासिल करने के साथ ही इस बात का संकेत दे दिया कि वह इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए तैयार हैं। किपचोगे ने रविवार को दो घंटे चार मिनट और 30 सेकेंड में दौड़ पूरी कर मैराथन को जीता। किपचोगे को पिछले साल लंदन मैराथन में हार का सामना करना पड़ा था लेकिन रियो ओलंपिक के विजेता ने इस एंसकेडे मैराथन को जीत अपनी वापसी के संकेत दे दिए। किपचोगे ने विश्व एथलेटिक्स से कहा, यहां वातावरण अच्छा था और हल्के से बादल थे लेकिन मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। यह दौड़ अच्छी थी और टोक्यो ओलंपिक के लिए बेहतर टेस्ट था। अपनी फिटनेस को टेस्ट करने के लिए ओलंपिक से पहले मैराथन का होना अच्छा है।

यूथ बॉक्सिंग : भारत के पांच मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

किएल्स (एजेंसी)।

भारत के पांच मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां चल रहे आईबा यूथ पुरुष और महिला वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप के पांचवें दिन क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। एशिया जूनियर चैंपियन बिस्वामित्रा चोंगथाम ने पुरुष 49 किग्रा वर्ग में खोसरोशाही परविजी को 5-0 से हराया। अंकित नरवाल ने पोलेंड के ओलिवियर जामोजिस्की को 64 किग्रा वर्ग में 4-1 से, विशाल गुप्ता ने 91 किग्रा वर्ग में क्रोएशिया के बोर्ना लोनकारिक को 5-0 से और सचिन ने 56 किग्रा में कोलंबिया के जोसे वालडेज को हराया। महिला वर्ग में गीतिका ने 48 किग्रा वर्ग में कजाखस्तान की अराएलिम मरात को 5-0 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। इस बीच, निशा गुर्जर (64 किग्रा) को लातविया की बिएत्रिस रोजेंताले के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के छठे दिन भारत की ओर से महिला वर्ग में पूनम (57 किग्रा), अलफिया पठान (प्लस 81 किग्रा), खुशी (81 किग्रा), गीतिका (48 किग्रा) और विंका (60 किग्रा) अपनी चुनौती पेश करेंगी। पुरुष वर्ग में आकाश गोरखा (60 किग्रा), मनीष (75 किग्रा), सुमित (69 किग्रा) और विनीत (81 किग्रा) प्री क्वार्टर फाइनल में उतरेंगे।

संक्षिप्त समाचार

शतरंज चैंपियन आनंद ने अपने स्वर्गीय पिता को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

चेन्नई। पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने अपने स्वर्गीय पिता के विश्वनाथन को भावभीनी श्रद्धांजलि दी है, जिनका कि बीमारी के बाद 15 अप्रैल को निधन हो गया था। वह 92 साल के थे। आनंद ने कहा कि उनके अब तक के करियर में उनकी माता का बहुत योगदान रहा है, लेकिन इसके बावजूद उनके पिता ने उनका बहुत समर्थन किया है। आनंद ने टिवटर पर लिखा, मेरे पिता के विश्वनाथन का 15 अप्रैल को निधन हो गया। कई महीने तक चेन्नई में रहने के कारण मुझे अक्सर उनसे मिलने का मौका मिला। मैं उनके प्रति बहुत एहसानमंद हूं। मेरी मां ने मेरे शतरंज करियर में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है, लेकिन मेरे पिता हमेशा मेरे समर्थक रहे। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि वह मेरे साथ विश्व उप जूनियर, मेरे तीन नेशनल खिताब और बाद में एक विश्व चैंपियनशिप में गए थे। उन्होंने मुझे बहुत अच्छी तरह से गाइड किया। उनकी सलाह और उदाहरण के लिए मैं उन्हें अपनी तरफ से ढेर सारा प्यार अर्पित करता हूं। राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किए जा चुके आनंद ने कहा, आपके संदेशों के लिए मैं आप सभी का आभारी हूं। रेलवे उनका जुनूनी थी और मुझे खुशी है कि रेलवे के सहकर्मियों ने हमें लिखा। आपने हमारे साथ अदभुत यादें साझा की और मुझे कुछ समय के लिए वापस अतीत में ले गए।

हमें साझेदारी बनाने की जरूरत है: वार्नर

चेन्नई। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली हार के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर ने कहा कि टीम को मैच जीतने के लिए साझेदारी बनाने की जरूरत है। मुंबई ने हैदराबाद को 20 ओवर में 151 रनों का लक्ष्य दिया था जिसके जवाब में हैदराबाद की टीम 19.4 ओवर में 137 रन पर ऑलआउट हो गई थी और उसे 13 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वार्नर ने कहा, यह हार निराशाजनक है। मैंने और जॉनी बेयरस्टो ने अच्छी शुरूआत दिलाई लेकिन यह साबित करता है कि आपको बल्लेबाजी में मजबूत होने की जरूरत है। इस तरह से आप नहीं जीत सकते हैं। यह लक्ष्य प्राप्त करने वाला स्कोर था लेकिन अगर साझ्दारी नहीं होगी तो ऐसा करना संभव नहीं है और हमें एक ऐसे बल्लेबाज की जरूरत है जो अंत तक टिक सके। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों को मध्य ओवरों में स्मार्ट क्रिकेट खेलने की जरूरत है। गेंदबाजों ने इस मैच मे अच्छा किया और पिछले मैच की तुलना में पिच थोड़ी धीमी थी। सभी गलतियों सीखते हैं और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम बल्लेबाजी विभाग को मजबूत करें।

तैराक श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया, उज्बेकिस्तान में दूसरा स्वर्ण पदक जीता

ताशकंद (एजेंसी)।

भारत के शीर्ष तैराक श्रीहरि नटराज ने यहां 50 मीटर बैकस्ट्रोक में राष्ट्रीय रिकार्ड बनाने के साथ उज्बेकिस्तान ओपन चैम्पियनशिप में अपना दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। बीस साल के इस तैराक ने शनिवार रात को फीना मान्यता प्राप्त ओलंपिक क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में 25.11 सेकेंड के समय से शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय तैराकों ने इस प्रतियोगिता में 29 पदक - 18 स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य - जीत लिए हैं। यह श्रीहरि का दो दिनों में तीसरा राष्ट्रीय रिकार्ड है, बेंगलुरू के इस तैराक ने इस हफ्ते के शुरू में अपनी पसंदीदा 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में भी 2 बार राष्ट्रीय रिकार्ड बनाए। श्रीहरि ने 100 मीटर बैकस्ट्रोक में पहले ही तोक्यो ओलंपिक के लिए 'बी' मानक हासिल कर लिया है। उन्होंने हीट में 54.10 सेकेंड से अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकाला और फिर फाइनल में 54.07 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता। वह स्पर्धा में महज 0.22 सेकेंड से ओलंपिक 'ए' क्वालीफिकेशन मार्क से चूक गए। एक अन्य तैराक साजन प्रकाश से ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद है, उन्होंने जिन सभी चार स्पर्धाओं में हिस्सा लिया है, सभी में स्वर्ण पदक जीता है। शनिवार को अंतिम दिन केरल के इस तैराक ने 100 मीटर बटरफ्लाई में 53.69 सेकेंड के समय से पोडियम में पहला स्थान हासिल किया। माना पटेल और सुवाना भास्कर ने महिलाओं की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए। श्रीहरि की तरह ही साजन भी तोक्यो ओलंपिक के लिए ओलंपिक 'ए' मार्क हासिल करने से चूक गए। साजन 2016 रियो ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले देश में एकमात्र पुरूष तैराक थे। उन्होंने मंगलवार को अपनी पसंदीदा 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में 1.57.85 सेकेंड का समय लिया था और वह ओलंपिक 'ए' कट से चूक गये थे। अभी तक कोई भी भारतीय तैराक तोक्यो ओलंपिक के लिए 'ए' कट हासिल नहीं कर पाया है।

चानू ने एशियाई चैम्पियनशिप में वेटलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता

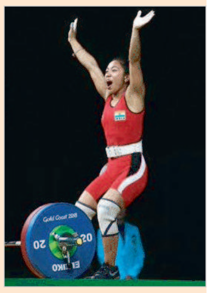

ताशकंद । भारत की पूर्व वर्ल्ड चैम्पियन मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग एरिना में शानदार वापसी करते हुए एशियाई चैम्पियनशिप में क्लीन एवं जर्क में 119 किलो वेट उठाकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। प्रतियोगिता में भाग लेने के साथ ही उन्होंने टोक्यो ओलिंपिक के लिए भी टिकट हासिल कर लिया, क्योंकि वे अनिवार्य सभी 6 क्वॉलिफाइंग प्रतियोगिता में भाग ले चुकी हैं। 26 साल की चानू ने स्नैच में 86 किग्रा वेट उठाने के बाद क्लीन एवं जर्क में वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम करते हुए 119 किलो वेट उठाया। इससे पहले क्लीन एवं जर्क मे वर्ल्ड रिकॉर्ड 118 किग्रा का था। उन्होंने कुल 205 किलो वेट के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। स्नैच में उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। उन्होंने शुरुआत के दो चांस में 85-85 किलो वेट ही उठाए। लेकिन तीसरे चांस में 86 कलो वेट उठाया। वहीं उन्होंने क्लीन एवं जर्क की शुरुआत 113 किलो वेट से की, इसके बाद उन्होंने 117 किलो का वेट उठाकर अपने इंडिविजुअल सर्वश्रेष्ठ में सुधार किया। अंत में 119 किलो वेट उठाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। यह वजन उनके शरीर के वेट से दोगुने से ज्यादा है।

पिछले साल फरवरी में चानू ने बनाया था नेशनल रिकॉर्ड

चानू का 49 किग्रा में इंडिविजुअल में अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कुल 203 किग्रा (88 किग्रा और 115 किग्रा) था, जो उन्होंने पिछले साल फरवरी में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में बनाया था।

गोल्ड और सिल्वर चीन के खिलाड़ियों ने जीता

गोल्ड और सिल्वर मेडल चीन की खिलाड़ियों ने जीता। चीन की होऊ जिहीहुई ने 213 किलो (96 किग्रा और 117 किग्रा) के साथ गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने स्नैच में 96 किलो वेट उठाकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। जबकि जियांग हुईहुआ ने 207 किलो वेट उठाकर सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने स्नैच में 89 किलो और क्लीन एवं जर्क में 118 किलो वेट उठाया। वे ओलिंपिक क्वॉलिफाई कर चुकी हैं।

प्रीमियर लीग : वोल्व्स से हारकर रेलेगेट हुआ शेफील्ड युनाइटेड

लंदन। शेफील्ड युनाइटेड को यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खेले गए मुकाबले में वोल्व्स के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद शेफील्ड युनाइटेड अब ईपीएल से रेलीगेट हो गया है। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, शेफील्ड युनाइटेड के अभी छह मैच और बचे हैं, जबकि पूरे सीजन में उसने केवल चार ही मैच जीते हैं। पिछले सीजन में टीम ने 32 मैचों में से 26 मैच हारे थे और वह नौवें नंबर पर रही थी। दोनों टीमों के बीच पहला हाफ गोलरहित रहा। लेकिन दूसरे हाफ में वोल्वस के लिए विलियन जोस ने 59वें मिनट में गोल करके अपनी टीम का खाता खोल दिया। टीम ने इस बढ़त को अंत तक कायम रखते हुए जीत अपने नाम कर लिया।

टेनिस : बीजेके कप में ऋतुजा-जील की जोड़ी जीती, भारत को लातविया के खिलाफ मिली सांत्वना जीत

जुर्माला (लातविया) (एजेंसी)।

ऋतुजा भोसाले और जील देसाई की जोड़ी ने यहां बिली जीन किंग कप (पहले फेड कप के नाम से मशहूर) बीजेके कप में लातविया की जोड़ी को हरा दिया और इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट की समाप्ति की। इस टूर्नामेंट में भारत को इससे पहले तीनों एकल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। टीम प्रबंधन ने इस मैच के लिए टेनिस स्टार सानिया मिर्जा को आराम देने का फैसला किया था और उनकी जगह जील और ऋतुजा की जोड़ी को उतारा गया। ऋतुजा-जील की जोड़ी ने शनिवार को अंतिम मैच में लातविया की डेनियला विस्माने और पैट्रिसिजा स्पाका की जोड़ी को 6-4, 5-7, 10-2 से मात दी। तीनों एकल मुकाबले हारने के बाद भारत अब एक बार फिर से टूर्नामेंट के एशिया/ओसनिया ग्रुप में वापस पहुंच गया। इससे पहले, भारतीय महिला टेनिस टीम की टॉप रैंक की एकल खिलाड़ी अंकिता रैना को लातविया की एनास्तासिजा सेवास्तोवा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। सेवास्तोवा ने रैना को 6-0, 7-6(4) से मात दी। इस जीत के बाद लातविया ने बीजेके कप में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली थी। करमन कौर थांडी को शुरूआती मुकाबले में भी लातविया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद भारतीय टीम अब लातविया के खिलाफ 0-2 से पीछे हो गया था। रैना को लातविया की येलेना ओस्टापेंको से, जबकि थांडी को एनास्तासिजा सेवास्तोवा से शिकस्त झेलनी पड़ी। ओस्टापेंको ने रैना को 6-2, 5-7, 7-5 से मात दी। ओस्टापेंको ने दो घंटे और 24 मिनट में यह मुकाबला जीता। लातविया की नंबर 1 खिलाड़ी सेवास्तोवा ने विश्व रैंकिंग में 691 की नंबर खिलाड़ी थांडी को 6-4, 6-0 से मात दी। सेवास्तोवा ने एक घंटे और 17 मिनट में यह मुकाबला अपने नाम किया।

गेंदबाजों की कोशिश ने दिलाई जीत : रोहित

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली जीत के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने गेंदबाजों की प्रशंसा करते हुए कहा है कि इस मैच में जीत दिलाने में गेंदबाजों की कोशिश ने बड़ा योगदान दिया है।मुंबई ने हैदराबाद को 151 रनों का लक्ष्य देने के बाद उसकी पारी 19.4 ओवर में 137 रन पर ऑलआउट कर जीत हासिल की थी। मुंबई की आईपीएल के इस सीजन की यह लगातार दूसरी जीत थी। रोहित ने कहा, गेंदबाजों ने अच्छी कोशिश की। हमें पता था कि यह आसान नहीं होगा। इस पिच पर अच्छी गेंदबाजी करना आसान नहीं है। मेरे ख्याल से ऐसी पिच पर यह अच्छा स्कोर था। दोनों टीमों ने पावरप्ले का इस्तेमाल करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, हमने मध्य ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी की। टीम के कई खिलाड़ियों ने इस पिच पर काफी क्रिकेट खेला है लेकिन हमें कुछ विभाग में काम करने की जरूरत है। मेरे ख्याल से पिच लगातार धीमी हो रही थी। एक सेट बल्लेबाज का होना जरूरी है लेकिन यहां कोई भी टीम ऐसा नहीं कर सकी है। कीरोन पोलार्ड वर्षो से हमारे लिए अंत में अच्छे खेल का प्रदर्शन करते आए हैं और हमें भी उनपर भरोसा है।

२४ घंटे में कोरोना के कुल १०३४० मामले सामने आए

अहमदाबाद में पिछले २४ घंटे में कुल ३६९४ केस सतह पर आए : अबतक कुल ३३७५४५ मरिज डिस्चार्ज

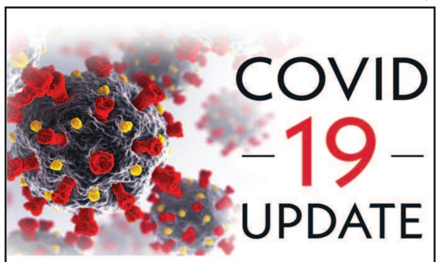

अहमदाबाद ।

गुजरात राज्य में लगातार कोरोना वायरस के मामले अब लगातार बढ़ रहे है। गुजरात में बीते २४ घंटे में कोरोना संक्रमण के १०३४० नए मामले सामने आए है। नए मरीजों की पुष्टि के साथ ५३७७ व्यक्ति की मौत दर्ज की गई। पिछले २४ घंटे में राज्य में ११० व्यक्ति की मौत हो गई है । जिसमें अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में २७, सुरत कोर्पोरेशन २४, राजकोट कोर्पोरेशन् में ९, वडोदरा कोर्पोरेशन में ८, सुरेन्द्रनगर में ७, गांधीनगर में ४, सुरत में ४, भरुच में ३, जामनगर में ३, जामनगर कोर्पोरेशन में ३, बनासकांठा में २, महेसाणा में २, मोरबी में २, राजकोट में २, साबरकांठा में २, वडोदरा में २, अहमदाबाद में १, अरवल्ली में १, देवभूमि द्वारका में १, गांधीनगर कोर्पोरेशन में १, जुनागढ में १ और खेड़ा में १ व्यक्ति शामिल है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य में अबतक ३३७५४५ मरीजों के स्वस्थ होने के बाद उन्हें अस्पताल से घर भेज दिया गया है जबकि अबतक ५३७७ की कोरोना वायरस के कारण मौत दर्ज की गई है। अहमदाबाद में ३६९४ कोरोना वायरस के मामले सामने आये है। गुजरात में पिछले २४ घंटे में गुजरात में कुल ११० व्यक्तियों की मौत हो चुकी है । राज्य में कुल मृतांक ५१७७ पर पहुंच चुका है। ३९८१ मरिजो को ठीक होने के बाद डीस्चार्ज कर दिया गया है। गुजरात राज्य में कुल एक्टीव केसो की संख्या ६१६४७ है। ३२९ मरिज वेन्टीलेटर पर है और ६१३१८ मरिज स्टेबल है। राज्य में १६ जनवरी से कोरोना के टीकाकरण का आरंभ किया जा चुका है। अभी तक में कुल ८८,८०,९५४ व्यक्तियों का पहला डोज का और १०२,८८,०१२ व्यक्तियों के दूसरे डोज का टीका पूरा हुआ। अभी तक में राज्य में एक भी व्यक्ति को यह वैक्सीन की वजह से गंभीर साइडइफेक्ट देखने को नहीं मिला है। राज्य में रिकवरी रेट ८३.४३ फीसदी है। राज्य में अभी तक में हेल्थ विभाग के काफी प्रयासों की वजह से ३३७५४५ मरीजों ने कोरोना को मात दी है। पिछले २४ घंटे में राज्य मे ३९८१ लोगो को डिस्चार्ज किया गया है। बीते कुछ दिनों से गुजरात में कोरोना के ९००० के आसपास मामले सामने आ रहे हैं।

"मुख्यमंत्री" को बदलने का बहाना तो नहीं ढूंढा जा रहा है : कांग्रेस नेता परेश धानाणी का तंज

अहमदाबाद।

गुजरातभर में कोरोना की दूसरी लहर ने हाहाकार मचा रखा है। हालत यह है कि अस्पतालों में बैड फूल है और बाहर एम्ब्युलैंस की कतार है। ऑक्सीजन और रेमडेसिवीर इंजेक्शन की जबर्दस्त किल्लत है। मुर्दा घाटों पर दिन रात चिताएं जल रही हैं। इन हालातों के बीत गुजरात विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष परेश धानाणी ने भाजपा पर तंज कसा है। परेश धानाणी है गुजराती में एक ट्वीट किया है। जिसमें उन्होंने लिखा "कुर्सी की खींचतान, जनता परेशान, अब मौत का तांडव कर रहे कोरोना ने ग्रामीण गुजरात को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसके बावजूद फिलहाल इंजेकशन, ऑक्सीजन, एम्ब्युलैंस, लैब, डॉक्टर, वेन्टीलेटर और अस्पतालों में बैड की किल्लत से क्या गांव के स्मशान में मौत का तांडव रचकर "मुख्यमंत्री" बदलने का बहाना तो नहीं खोजा जा रहा ?" बता दें कि गुजरात में रविवार को एक ही दिन में कोरोना के 10340 रिकार्ड केस सामने आए हैं और 110 मरीजों की मौत हो गई। कोरोना की दूसरी लहर में सरकार की ओर से की जा रही व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है। अस्पतालों के बाहर एम्ब्युलैंस में मरीज और स्मशान में मुर्दे अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। यह हाल केवल गुजरात ही नहीं बल्कि देश के कई राज्यों का है।

कांग्रेस के विधायक ललित वसोया ने कोरोना को मात दी

अहमदाबाद ।

पाटीदार नेता और धोराजी कांग्रेस के विधायक ललित वसोया ने कोरोना वायरस को मात दी है। उनका ८ अप्रैल को कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आया। उनके साथ उनका पूरा परिवार यह चपेट में आया। फिलहाल उन्होंने जबकि कोरोना को मात दी है तब उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से एक विडियो जारी किया है । जिसमें उन्होंने प्रशासन के कामकाज की प्रशंसा की है और लोगों को काफी भावनात्मक मैसेज दिया है । ललित वसोया ने विडियो में बताया कि कोरोना की महामारी से पूरा देश पीड़ित रहा है। अब सरकार की नीति का विरोध करने के लिए नहीं लेकिन आप सभी से विनंती करने के लिए आया हं। मुझे मेरी इम्युनिटी पावर भी बहुत गर्व था। कोरोना आया है तब से मैंने कोई गाइडलाइन का पालन नहीं किया है। कोरोना की दूसरी लहर में मेरी एक भूल की वजह से मेरा पूरा परिवार मां, पत्नी, बेटा, बहू, पौता कोरोना की चपेट में आये। बहुत ही कठिन काम है एक रुम के अंदर अकेले रहना कई समस्या को झेलना पड़ता है। इसकी अपेक्षा कोरोना की गाइडलाइन का पालन करो। जरूरत बिना घर के बाहर नहीं निकले और सरकार की कई भूल हैं लेकिन यह आलोचना करने का समय नहीं है। श्मशानों में लाइन लगती है। रेमडेसिवीर इंजेक्शन नहीं है, ऑक्सीजन के लिए लाइनें लगती है, यह दुखद परिस्थिति है। इसमें से हमें अपने आपको बचा सके। उन्होंने आगे बताया कि, सरकारी प्रशासन, अधिकारी बहुत काम करते है। उन्होंने एक मामले को लेकर एडिशनल कलेक्टर पंडया साहब, गामविकास के नियामक जेके. पटेल और मियाणी को सेल्युट करता हूं। उन्होंने बताया कि, मैं आलोचना करते समय जरा भी संकोच नहीं करता हूं लेकिन अच्छे काम की प्रशंसा करनी चाहिए। मेरी आप सभी से विनंती है कि घर में रहो और सुरक्षित रहो। उन्होंने बताया कि, मैं अस्पताल में पड़े पड़े उपलेटा, धोराजी की चिंता की है। उपलेटा कोरोना की अस्पताल तुरंत चालू हो, भाजपा के दोस्त भी प्रयास करते है।

कोरोना के विरुद्ध जंग में शामिल हर कोई ईश्वर का ही रूप है: मुख्यमंत्री

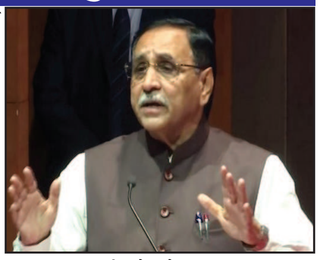

अहमदाबाद।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल ने कच्छ के जिला मुख्यालय भुज के जी.के. जनरल हॉस्पिटल का दौरा किया और कोरोना मरीजों तथा स्वास्थ्य कर्मियों से मुलाकात की। भुज दौरे के दौरान जीके जनरल हॉस्पिटल पहुंचे मुख्यमंत्री ने यहां भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य के बारे में उनके परिजनों से कुशलक्षेम पूछी। हॉस्पिटल की सुविधाओं और मरीजों की तबीयत की जानकारी हासिल करते हुए मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने सभी को हिम्मत दी। मरीजों को आश्वस्त करने के बाद उन्होंने हॉस्पिटल के कोविड विभाग में तैनात सभी लोगों के साथ संवाद कर उनकी सेवाओं की सराहना की और उनका आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद सभी कोरोना योद्धाओं से कहा कि, आप सभी ने वैश्विक महामारी कोविड-19 की लड़ाई में अपने स्वजनों की चिंता किए बगैर कर्तव्य निभाया है। इस लड़ाई में विजय के सच्चे हकदार इससे जुड़े सभी लोग हैं। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में शामिल डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ तथा स्वास्थ्य सेवा से जुड़े सभी लोगों को अभी भी हिम्मत औ धैर्य के साथ लड़ते हुए मानवता की जंग को जीतना है। उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में शामिल आप सभी ईश्वर का ही रूप हैं। मुख्यमंत्री ने कोरोना मामलों के संदर्भ में टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट की रणनीति पर आगे बढ़ते हुए कोविड डेडिकेटेड अस्पताल, बेड की संख्या, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, रेमडेसिविर इंजेक्शन सहित उपचार सुविधा, स्वास्थ्य सेवा स्टाफ की जानकारी हासिल कर कलक्टर श्रीमती प्रवीणा डी.के. एवं तंत्र को कोरोना नियंत्रण और आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध कराने संबंधी मार्गदर्शन और निर्देश दिए। रूपाणी इस दौरे के दौरान अस्पताल में भर्ती मरीजों के रिश्तेदारों से मरीजों की कुशलक्षेम पूछी और उनके दुख में सहभागी बने। उन्होंने पीड़ितों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभकामनाएं देते हुए राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया। उन्होंने जीके जनरल हॉस्पिटल में कोविड विभाग में तैनात डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ समेत पैरामेडिकल स्टाफ से संवाद किया और उनकी सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा कर कोविड के खिलाफ आगे की लड़ाई में इसी तरह पूरे हौसले के साथ काम करने को प्रोत्साहित किया।

हरिद्वार से अहमदाबाद आये ३४ का रिपोर्ट पॉजिटिव

अहमदाबाद ।

साबरमती स्टेशन पर किए गए टेस्ट में ३१३ यात्रियों में से ११ फीसदी कोरोना पॉजिटिव आये हैं। यह यात्री हरिद्वार में आयोजित किए गए कुंभ मेले में गये थे। राज्य सरकार की गाइडलाइन के अनुसार पश्चिम रेलवे द्वारा हरिद्वार से वापस आ रहे यात्रियों की जांच की जा रही है । यहां रेलवे और अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सहयोग से काम किया जा रहा है। यहां स्पेशियल रैपिड एंटीजन टेस्ट के लिए व्यवस्था की गई है जिसमें ३१३ यात्रियों की जांच की गई थी, यह यात्री योगा एक्सप्रेस में अहमदाबाद पहुंचे थे और इसमें से ३४ पॉजिटिव आये है। पॉजिटिव आये मरीजों को साबरमती होस्टल फेसिलिटी में क्वारंटाइन किया गया है । एएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बताया गया कि योगा एक्सप्रेस करीब ३ बजे पहुंची थी । योगा एक्सप्रेस में रविवार को आने वाले यात्रियों की भी जांच की जाएगी। योगा एक्सप्रेस सिर्फ एक ट्रेन है जो कि हरिद्वार से अहमदाबाद आते है । एएमसी के सीनियर अधिकारी ने बताया कि जो ३१३ में से १०-१५ फीसदी यात्रियों में कोरोना के लक्षण है उनके रैपिड एंटीजन टेस्ट नेगेटिव आये है । उन्होंने बताया कि यह सभी यात्रियों को आरटीपीसीआर टेस्ट कराने के बाद शहर में एंट्री मिलनी चाहिए, क्योंकि यह देश के अन्य हिस्सों से गुजरात आ रहे यात्रियों के लिए है।

चेन तोड़ने के लिए सरकार १०-१५ दिन का लॉकडाउन दे

कोरोना के खिलाफ आर्मी डॉक्टर्स का उपयोग हो सके ऐसी पेशकश कोविड टास्क फोर्स के सदस्य ने की है

अहमदाबाद ।

राज्यभर में कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ रहा है । कोरोना की यह चेन तोड़ने के लिए १० से १५ दिन का लॉकडाउन लगाना आवश्यक है । ऐसा एक सूर अब डॉक्टर्स, संतों और कलाकारों से उठ रहा है । जिसे लेकर सरकार यह १०-१५ दिन का लॉकडाउन दे और इसके साथ लोगों का स्वयंभू लॉकडाउन को लागू करने की अपील की गई है । इसके साथ ही कोरोना के खिलाफ आर्मी के डॉक्टर्स का उपयोग हो सके ऐसी पेशकश कोविड टास्ट फोर्स के सदस्य ने सरकार से की है । कोरोना के केस बढ़ रहे है और आंकड़ा प्रतिदिन बढ़ रहा है । अन्य राज्यों में मिनी लॉकडाउन कर रहे है तब गुजरात में भी १० से १५ दिन का लॉकडाउन दिया जाए ऐसी मांग की गई है । इस मामले में पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट और कोविड टास्ट फोर्स के सदस्य डॉ. दिलीप मावलंकर, डॉ. वसंत पटेल, डॉ. मुकेश महेश्वरी और संतों की तरफ से कथाकार रामेश्वर बापू हरियाणी और कलाकारों की तरफ से अभिलाश घोडा ने यह अपील की है । उन्होंने बताया कि, वायरस की वजह से मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है। ऐसे में स्वयंभू लॉकडाउन करके कोई भी नागरिक बिनाजरूरी अपने घर के बाहर नहीं निकले ऐसी अपील है । दूसरी तरफ डॉ. दिलीप मावलंकर ने बताया कि, गत वेव की अपेक्षा यह वेव तीन गुना गति से आगे बढ़ रहा है, आईसीयू फुल है, दवाई कम पड़ रही है, ऑक्सीजन की कमी हो रही है, डॉक्टर भी थक गये है । आरटीपीसीआर के टेस्ट के लिए इंतजार करना पड़ता है, रिपोर्ट आने में समय लग रहा है। उन्होंने आगे बताया है कि, हाल की स्थिति को देखते हुए आर्मी के रिटायर्ड डॉक्टर, नर्स तथा अन्य कर्मचारियों की मदद लेने का समय आया है । आर्मी का नेटवर्क पूरे देश में है, जहां जरूरत हो वहां आर्मी को अलर्ट करके उनके संसाधनों की मदद लेनी चाहिए। इतना ही नहीं रेलवे के डिब्बे में उपचार मिले यह तैयारी की थी लेकिन अब समय आया है कि इसकी मदद लेनी पड़ेगी।

गुजरात बोर्ड भी कक्षा-१० की परीक्षाएं अब रद्द करे

राज्य में कोरोना के केस में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसकी वजह से बोर्ड की परीक्षा स्थगित रखी गई है

अहमदाबाद ।

राज्य में कोरोना के केस में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसकी वजह से अभिभावक मंडल द्वारा सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एज्युकेशन के आधार पर गुजरात में भी कक्षा-१० की परीक्षा रद्द करने की मांग की गई है । गुजरात में कक्षा-१० के १३ लाख विद्यार्थी परीक्षा देने की वजह से सरकार के लिए कोरोना काल में परीक्षा आयोजित करना मुश्किल होगा । जिसकी वजह से कक्षा-१० की परीक्षा रद्द की जाए ऐसी मांग अभिभावक मंडल ने राज्य के शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर की है । फिलहाल में सीबीएसई द्वारा कक्षा-१० की परीक्षा रद्द करने की घोषणा की गई थी। गुजरात में भी कोरोना की बिगड़ रही स्थिति को देखते हुए कक्षा-१० और १२ की परीक्षा स्थगित रखने का निर्णय लिया गया है । आगामी दिनों में स्थिति की समीक्षा करने के बाद नई तारीखों की घोषणा की जाएगी ऐसी घोषणा राज्य सरकार द्वारा हुई है। ऐसे में अभिभावक मंडल द्वारा मांग की गई है कि, गुजरात शिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाने वाली कक्षा-१० की बोर्ड की परीक्षा सीबीएसई के जैसे ही रद्द कर दिया जाए। ऑल गुजरात अभिभावक मंडल और विद्यार्थी विद्या सुरक्षा समिति द्वारा राज्य के शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर पेशकश की है। ऑल गुजरात अभिभावक मंडल के प्रमुख नरेश शाह और विद्यार्थी विद्या सुरक्षा समिति के प्रमुख भाविन व्यास ने परीक्षा रद्द करने के कारण भी बताये हैं, जिसके अनुसार विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ रही है, किस तरीके से तैयार करना यह समझ में नहीं आता है क्योंकि परीक्षा की तारीख जो निश्चित नहीं है। हाल में जिस प्रकार से कोरोना के केस बढ़ रहे है यह देखते हुए अभिभावक अपने बच्चों को परीक्षा में बिठाने के लिए तैयार नहीं है। कक्षा १० में १३ लाख विद्यार्थी परीक्षा देंगे तब उनकी बैठक व्यवस्था हाल के समय में करना मुश्किल लग रहा है।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने कि सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय श्रीमान प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय जौनपुर उ0प्र0
मु.नं. 2112 सन् 2020
धारा 125 सीआर.पी.सी.
थाना कोतवाली जौनपुर
अंकिता गुप्ता
बनाम आदित्य विक्रम गुप्ता

बनाम (1) आदित्य विक्रम गुप्ता उ.त. 25 वर्ष पुत्र प्रदीप कुमार गुप्ता सा.मौ. कटरा बाजार पो. सदर थाना कोतवाली जिला भदोही। हाल मुकाम बन्देमातरम् आई.सी.बी. आईलैण्ड जे. ब्लाक 301 व 302 थाना सोला अहमदाबाद गुजरात (विपक्षी)

चुकि उपर नामाकिंत ने इस न्यायलय में यह आवेदन किया जाता है कि अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती जाति कि आपको आवेदन के खिलाफ संवागित करन के लिये स्वय या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा सज्जात द्वारा ही ऐसा करने से असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षी सुना और अवधारित किया जायेगा।

तारीख पेशी 28-04-2021

आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित निकाली गयी

(न्यायालय)

मरीज ने विडियो कॉल करके कहा मैं तो जिंदा हूं

अहमदाबाद ।

बदतर हुआ सिविल अस्पताल के प्रशासन का क्राइम लापरवाही भरा और एक चौंकाने वाला सामने आया है। जिसमें जेतलपुर के एक मरीज के रिश्तेदार को प्रशासन ने फोन करके कहा कि आपके परिजन की मौत हुई है । इसी वजह से परिवार के २० सदस्य शव लेने के लिए सिविल पहुंचे और नहीं मिलने पर खोजबीन शुरू कर दी है । तब अचानक मरीज ने परिजनों को विडियो कॉल करके कहा कि मैं तो जिंदा हूं । मरीज के साथ बात करके परिजनों ने राहत की सांस ली । लेकिन ऐसी लापरवाही की वजह से परिवार के सदस्य की जान खतरे में आ गई । जेतलपुर गांव में रहते बाबूभाई भीखाभाई को कोरोना होने पर उनको सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया। इस दौरान शनिवार को सुबह में सिविल प्रशासन की तरफ से उनके रिश्तेदारों को फोन करके बताया गया कि आपके परिजन की मौत हुई है। परिजन की मौत का समाचार सुनकर मृतक के अंतिम संस्कार के लिए प्रोटोकोल के अनुसार २० रिश्तेदार सिविल पहुंचे अंतिम दर्शन के लिए हालांकि जबकि वह डेड बॉडी रुम में पहुंचे तब एक शव उनको सौंपी गई जिसकी पीपीई किट खोले जाने पर अंतिम दर्शन करने पर परिवार आश्चर्यचकित हो गया और बताया गया कि यह उनका परिजन का शव नहीं है । जिसके बाद परिजनों ने यहां हंगामा किया । परिवार के सदस्य शब गृह में जबकि मृतक को ढूंढ रहा था तब दूसरी तरफ प्रशासन द्वारा वार्ड में जांच करने पर बाबूभाई जिंदा थे। जिसकी वजह से सिविल के नंबर से मरीज का विडियो कॉल कराया गया। उन्होंने परिवार के साथ बात करके कहा है कि वह जीवित है और वह जानकर परिवार के सदस्य शांत हो गये। हालांकि सिविल की यह लापरवाही की वजह से परिवार के प्रत्येक की सांस रुक गई। इस स्थिति में आघात में यदि किसी को कुछ दूसरा हो गया होता तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होती । सिविल अस्पताल में लोग एक के बाद एक मर रहे हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)